श्रावण शुक्ल - 14 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 38 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 30-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भाजपा के पास आरोप पत्र पेश करने का नैतिक अधिकार नहीं : सिद्दरामैया

6 रक्षाबंधन : महकती रहें ये राखियां सदा

7 फिल्म में काम करने को तैयार, बशर्ते अच्छी भूमिकाओं की पेशकश हो : हेमा मालिनी

फर्स्ट टेक

राष्ट्रपति ने रक्षा बंधन पर देशवासियों को दी बधाई

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर मंगलवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जतायी कि प्यार, स्नेह और विश्वास का यह त्योहार समाज में सौहार्द की भावना को प्रोत्साहित करेगा और महिलाओं के सम्मान में वृद्धि करेगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने संदेश में कहा कि रक्षा बंधन का त्योहार भाई और बहन के बीच अटूट प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने कहा, इस दिन बहन अपने भाई को राखी बांधकर उसके सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करती है। यह त्योहार हमें बहनों और बेटियों की रक्षा करने के साथ-साथ राष्ट्र के गौरव की रक्षा का भी संदेश देता है। राष्ट्रपति ने उम्मीद जतायी कि प्यार, स्नेह और विश्वास का यह त्योहार समाज में सौहार्द की भावना को प्रोत्साहित करेगा और महिलाओं के सम्मान में वृद्धि करेगा।

फिट इंडिया क्विज़-3 की हुई घोषणा

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने राष्ट्रीय खेल दिवस 2023 के अवसर पर मंगलवार को यहां फिट इंडिया क्विज़ के तीसरे संस्करण का शुभारंभ किया। क्विज़ के दो सफल संस्करणों के बाद तीसरे संस्करण में कुल पुरस्कार राशि 3.25 करोड़ रुपये रखी गयी है। ठाकुर ने कहा, मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि अंडमान, सिक्किम जैसे दूरदराज के स्थानों के साथ-साथ अरुणाचल प्रदेश की टेंगा घाटी के छात्रों ने फिट इंडिया क्विज़ में भाग लिया। वे क्विज़ में शीर्ष टीमें थीं। इस बीच, ठाकुर ने खेलो इंडिया योजना के तहत स्वीकृत खेल अवसंरचना परियोजनाओं पर एक सूचना पुस्तिका भी लोकार्पण किया और साथ ही एक राष्ट्रीय खेल महासंघ पोर्टल भी लॉन्च किया।

इंडोनेशिया में 6.4 तीव्रता के भूकंप के झटके

जकार्ता/वार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी प्रांत मालुकु में मंगलवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गए। देश की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.4 मापी गयी । एजेंसी ने कहा कि भूकंप स्थानीय समयानुसार सुबह 11:34 बजे आया, जिसका केंद्र मालुकु तेंगाह (मध्य मालुकु) जिले से 279 किमी दक्षिण पूर्व में और समुद्र तल के नीचे 221 किमी की गहराई में स्थित था। एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी अभी तक जारी नहीं की है क्योंकि भूकंप के झटकों से सुनामी के खतरे नहीं हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि झटके निकटवर्ती प्रांत पश्चिमी पापुआ की राजधानी सोरोंग शहर में भी महसूस किए गए।

रक्षाबंधन का तोहफा,

गैस सिलेंडर हुआ 200 रुपए सस्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। सरकार ने ओणम और रक्षाबंधन के त्योहार पर देश के 33 करोड़ रसोई गैस उपभोक्ताओं को तोहफा देते हुए प्रति सिलेंडर दाम 200 रुपये कम करने और 75 लाख नये उज्ज्वला कनेक्शन जारी करने की मंगलवार को घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा,रक्षाबंधन का पर्व अपने परिवार में खुशियां बढ़ाने का दिन होता है। गैस की कीमतों में कटौती होने से मेरे परिवार की बहनों की सहूलियत बढ़ेगी और उनका जीवन और आसान होगा। मेरी हर बहन खुश रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहे, ईश्वर से यही कामना है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की बहनों को तोहफे के रूप में प्रधानमंत्री मोदी का यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। इससे वर्ष 2023-24 में सरकारी खजाने पर 7680 करोड़ रुपये का भार पड़ेगा। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्हें 200 रुपये की मौजूदा सब्सिडी के साथ ही 200 रुपये की कमी का भी फायदा होगा।

रसोई गैस का फैसला वोट पाने का चुनावी तोहफा : खरगे

नई दिल्ली/वार्ता। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि मोदी सरकार रसोई गैस की कीमतें बढ़ाकर माता- बहनों को रुलाती रही है, लेकिन अब चुनाव सामने हैं तो उसने वोट पाने का खेल करते हुए इसकी कीमत घटा दी है। खरगे ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा , जब वोट लगे घटने, तो चुनावी तोहफ़े लगे बटने। जनता की गाढ़ी कमाई लूटने वाली निर्दयी मोदी सरकार अब माताओं-बहनों से दिखावटी सद्भावना जता रही है। साढ़े नौ वर्षों तक 400 रुपए का रसोई गैस का सिलेंडर 1100 रुपए में बेच कर आम आदमी की ज़िंदगी तबाह करते रहे, लेकिन तब कोई 'स्नेह भेंट' की याद क्यों नहीं आई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, भाजपा सरकार ये जान ले कि 140 करोड़ भारतीयों को साढ़े नौ साल तड़पाने के बाद 'चुनावी लॉलीपॉप' थमाने से काम नहीं चलेगा।

मानक-6 स्टेज दो फ्लैक्सी ईंधन वाहन के मॉडल का गडकरी ने किया लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दुनिया के पहले प्रदूषण मुक्त भारत मानक-6 स्टेज दो वाले फ्लैक्सी ईंधन वाहन के मॉडल का आज यहां लोकार्पण किया।

गडकरी ने इस मौके पर कहा कि इथेनॉल ईंधर के ज्यादा से ज्यादा उत्पादन और इस्तेमाल पर उनकी सरकार का जोर है ताकि देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाकर किसानों की आय दोगुनी की जा सके और देश के अन्नदाता को ऊर्जादाता में तब्दील कर और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डाला जा सके। उन्होंने कहा कि इथेनॉल एक पर्यावरण के अनुकूल एक स्वदेशी और नवीकरणीय ईंधन है जिसमें देश के लिए आशाजनक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन इथेनॉल अर्थव्यवस्था दो लाख करोड़ रुपए की हो जाएगी कृषि विकास दर मौजूदा 12 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत हो जाएगी।

जैव ईंधन में नवाचारों का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा कि इस दिशा में देशभर में नवोचार के प्रयास किए जा रहे हैं। उनका कहना था कि इथनॉल का देश में बड़ी मात्रा में उत्पादन हो इसके लिए असम के नुमालीगढ़ में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिफाइनरी के जैव इथेनॉल के निर्माण के लिए बांस का उपयोग किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया के पहले भारत मानक 6 स्टेज दो 'इलेक्ट्रिफाइड फ्लेक्स फ्यूल व्हीकल' के जिस मॉडल का उन्होंने लोकार्पण किया है यह उन्नत वाहन है ।

भारत ने चीन के कथित मानक मानचित्र को खारिज किया

नई दिल्ली/वार्ता। भारत ने चीन द्वारा जारी तथाकथित 2023 मानक मानचित्र में अक्साई चिन और अरुणाचल प्रदेश शामिल किए जाने पर चीन सरकार से कड़ा विरोध व्यक्त किया है। चीन के इस तथाकथित मानचित्र के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, हमने आज चीन के उस तथाकथित 2023 मानक मानचित्र पर चीनी पक्ष के साथ राजनयिक चैनलों के माध्यम से कड़ा विरोध दर्ज कराया है जो भारत के क्षेत्र पर दावा करता है। बागची ने कहा, हम इन दावों को खारिज करते हैं क्योंकि इनका कोई आधार नहीं है। चीनी पक्ष के ऐसे कदम केवल सीमा प्रश्न के समाधान को जटिल बनाते हैं। चीन ने जिस तथाकथित मानक मानचित्र को जारी किया है, उसमें अक्साई चिन और पूरे अरुणाचल प्रदेश को चीन के अंग के रूप में दर्शाया गया है।

जम्मू-कश्मीर को फिर से बना दिया जाएगा राज्य

कल विस्तृत बयान देगी केंद्र सरकार

■ उच्चतम न्यायालय में मंगलवार को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की किस समय सीमा के बारे में सोचता है, इसके बारे में उसे आधिकारिक तौर पर अवगत कराये। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्य कांत की संविधान पीठ ने अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर को फिर से राज्य बनाने के लिए कोई समय सीमा है तो वे केंद्र से निर्देश प्राप्त कर शीर्ष अदालत को अवगत करायें।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मुद्दे पर उच्चतम स्तर पर निर्देश प्राप्त करने के बाद अपना रुख स्पष्ट करने के लिए 31 अगस्त तक का समय मांगा। उन्होंने कहा कि वह 31 अगस्त को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की केंद्र शासित प्रदेश की स्थिति के भविष्य पर एक विस्तृत बयान देंगे।

संविधान पीठ अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। संविधान पीठ ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बचाव में सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद उनसे केंद्र सरकार का जम्मू कश्मीर को फिर राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में आधिकारिक बयान देने को कहा।

रोवर प्रज्ञान ने चंद्रमा की सतह में गंधक होने की पुष्टि की : इसरो

■ इसरो ने यह भी कि कहा कि रोवर प्रज्ञान पर लगे उपकरण ने उम्मीद के मुताबिक एल्युमीनियम, कैल्शियम, लौह, क्रोमियम, टाइटेनियम, मैंगनीज, सिलिकॉन और ऑक्सीजन का भी पता लगाया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को कहा कि चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान पर लगे एक उपकरण ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सतह में गंधक होने की स्पष्ट रूप से पुष्टि की है।

इसरो ने यह भी कि कहा कि उपकरण ने उम्मीद के मुताबिक एल्युमीनियम, कैल्शियम, लौह, क्रोमियम, टाइटेनियम, मैंगनीज, सिलिकॉन और ऑक्सीजन का भी पता लगाया है।

इसरो ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, वैज्ञानिक प्रयोग जारी हैं...रोवर पर लगे लेजर संचालित ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप (एलआईबीएस) उपकरण ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सतह में गंधक होने की स्पष्ट रूप से पुष्टि की है।

बेंगलुरु में स्थित इसरो के मुख्यालय ने कहा, उम्मीद के मुताबिक एल्युमीनियम, कैल्शियम, लौह, क्रोमियम, टाइटेनियम, मैंगनीज, सिलिकॉन और ऑक्सीजन का भी पता चला है। हाइड्रोजन की तलाश जारी है

एलआईबीएस उपकरण को इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स सिस्टम्स (एलईओएस)/इसरो, बेंगलुरु की प्रयोगशाला में विकसित किया गया है।

इसरो ने कहा, हाइड्रोजन की मौजूदगी के संबंध में गहन पड़ताल जारी है।

इसरो का महत्वकांक्षी मिशन 'चंद्रयान-3' 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा था, जिसके साथ ही भारत ने इतिहास रच दिया था। भारत चंद्रमा पर पहुंचने वाला चौथा जबकि इसके दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया।

पी चिदंबरम गृह संबंधी स्थाई समिति के सदस्य मनोनीत

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम को गृह मामलों संबंधी स्थाई समिति का सदस्य मनोनीत किया है। राज्यसभा सचिवालय के बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है। राज्यसभा सचिवालय बुलेटिन के अनुसार, राज्यसभा के सभापति (जगदीप धनखड़) ने 28 अगस्त को कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम को गृह मामलों संबंधी स्थाई समिति का सदस्य मनोनीत किया।

हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा

'नूंह हिंसा में शायद कांग्रेस का हाथ था'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने मंगलवार को कहा कि जांच के आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि पिछले महीने नूंह में हुई हिंसा में शायद कांग्रेस का हाथ था। उन्होंने यहां राज्य विधानसभा परिसर के बाहर पत्रकारों से यह भी कहा कि राज्य पुलिस घटना में पाकिस्तान की संलिप्तता की आशंका के मद्देनजर केंद्रीय एजेंसियों से मदद मांगेगी।

मंत्री ने कहा कि कई कोणों जैसे साइबर पुलिस स्टेशन पर हमले की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा,

पाकिस्तान से कई वीडियो और तस्वीरें साझा की गईं।

उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की 'जलाभिषेक यात्रा' पर भीड़ द्वारा हमला किए जाने के बाद नूंह और उसके आसपास के इलाकों में सांप्रदायिक झड़प हुई थीं, जिनमें दो होम गार्ड और एक इमाम समेत छह लोगों की मौत हो गई थी।

हरियाणा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता विज ने विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन कहा, प्रारंभिक जांच के बाद, हमने 510 लोगों को गिरफ्तार किया है, जबकि 130 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

हरियाणा पुलिस द्वारा जांच में शामिल होने के लिए कांग्रेस के विधायक मम्मन खान को नोटिस दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जांच और गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर ऐसा प्रतीत होता है कि शायद इसमें कांग्रेस का हाथ था।

कांग्रेस विधायक खान हरियाणा विधानसभा में फिरोजपुर झिरका क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सूर्यास्त 30-08-2023	सूर्योदय 31-08-2023
6:21 बजे	5:57 बजे

BSE	NSE
65,075.82	19,342.65
(+79.22)	(+36.60)

सोना	चांदी
6,122 रु.	80,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चयनकर्ता

जो खुद चुनाव ना लड़ सकते,
वे बने चयन के अधिकारी।
दागी दोषी हों भले मगर,
दल रहते उनके आभारी।
धनबल भुजबल या छलबल के,
होते जो अतुलित बलधारी।
दल जीते जिन षड़यंत्रों से
उन यंत्रों के वे व्यापारी।।

रक्षाबंधन त्यौहार पर 'वोकल फॉर लोकल' का असर

बाजार से गायब हुई चीनी राखियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले कुछ सालों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की त्योहारों पर 'वोकल फॉर लॉकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' की अपील का असर धरातल पर नजर आ रहा है। उत्तर भारत के सबसे बड़े थोक बाजार, सदर बाजार में इस बार रक्षाबंधन के त्योहार पर चीन निर्मित राखियां नदारद हैं और सिर्फ भारतीय राखियों की ही भरमार है।

इससे दुकानदारों में भी खासा उत्साह है और उन्हें इस बार अच्छा कारोबार होने की उम्मीद है।

■ भारतीय राखियों की भारी मांग

सदर बाजार में चीन निर्मित राखियां कम उपलब्ध होने पर स्थानीय दुकानदार बृजेश ने कहा, आए दिन चीन सीमा का अतिक्रमण कर हमारे देश में घुस रहा है। हम क्यों चीन का माल बनाएं? चीन की राखी न हमारा ग्राहक खरीदना चाहता है और न हम बनाना चाहते हैं।

एक अन्य दुकानदार अरविंद कुमार ने कहा, अब लोग चीन की राखियां पसंद नहीं करते और इसलिए हम रखते भी नहीं हैं।

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि ग्राहक भारतीय राखियों की ही ज्यादा मांग कर रहे हैं। वे चीन की राखी की मांग में कमी का एक प्रमुख कारण उसकी महंगी कीमत और खराब गुणवत्ता को भी बता रहे हैं।

दुकानदार संजय यादव ने बताया कि इस बार सदर बाजार में तीन रुपए से लेकर 200 रुपए कीमत तक की भारतीय राखियां उपलब्ध हैं जबकि चीनी राखी की शुरुआती कीमत ही 50 रुपए है और यह टूटती भी जल्दी है।

दिल्ली व्यापार महासंघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा ने पीटीआई-भाषा को बताया, बाजार में 80 फीसदी भारतीय राखियां ही मिल रही हैं और राखियों के बाजार में चीन की हिस्सेदारी मुश्किल से 20 फीसदी तक ही रह गई है। यह भी केवल कच्चे माल के तौर पर ही है।

भारत-पाक विश्व कप मैच के टिकटों की पहली खेप हाथों-हाथ बिकी

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाले विश्व कप मैच के टिकटों की पहली खेप एक घंटे के अंदर ही बिक गई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के टिकटिंग साझेदार 'बुक माय शो' ने इन टिकटों को बिक्री के लिए रखा था। भारत और पाकिस्तान के बीच इस मैच के टिकटों की दूसरी खेप तीन सितंबर को बिक्री के लिए रखी जाएगी और पूरी संभावना है कुछ घंटे के अंदर ही ये टिकट बिक जाएंगे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच यूपीआई पर हुई शुरुआती चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और न्यूजीलैंड कारोबारी सुगमता को बढ़ावा देने के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) पर शुरुआती चर्चा कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार और पर्यटन के लिए न्यूजीलैंड में यूपीआई की शुरुआत पर विचार किया जा रहा है।

दोनों देश न्यूजीलैंड से लकड़ी के लट्ठों के आयात की अनुमति देने के तरीकों पर भी विचार कर रहे हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निर्यात विकास मंत्री डेमियन ओ 'कॉनर के बीच सोमवार को यहां द्विपक्षीय बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा हुई। मंत्रालय ने बयान में कहा, मंत्रियों ने यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) प्रणाली के संबंध में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) और पेमेंट्स न्यूजीलैंड के बीच आरंभिक चर्चा का स्वागत किया और इस बात पर सहमति जताई कि दोनों पक्षों को इस मुद्दे पर विचार-विमर्श जारी रखना चाहिए।

जनता दरबार — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को लखनऊ में जनता दरबार में शामिल हुए एवं जन समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को निर्देश दिये।

रसोई गैस की कीमतों में कटौती: भाजपा नेताओं ने मोदी का जताया आभार, बताया बहनों के लिए राखी का उपहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रियों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने केंद्र सरकार द्वारा घरेलू उपभोग वाली रसोई गैस की कीमतों में की गई कटौती के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट किया और इसे रक्षा बंधन के अवसर पर उनकी ओर से महिलाओं को दिया गया उपहार बताया।

सरकार ने मंगलवार को महंगाई से लोगों को राहत देते हुए घरों में इस्तेमाल वाले रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) के दाम 200 रुपए घटाने की घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने रक्षाबंधन व ओणम के पावन अवसर पर देश की माताओं-बहनों के लिए घरेलू सिलेंडर पर 200 रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दी है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, इस फैसले से उज्ज्वला योजना के तहत मिलने वाले गैस सिलेंडर की कुल सब्सिडी अब 400 रुपए हो जाएगी। इससे बदलते वैश्विक परिदृश्य के कारण बढ़ी महंगाई से जनता को राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 75 लाख नए उज्ज्वला कनेक्शन को भी मंजूरी दी है, जिससे गरीब और जरूरतमंद माताओं को धुएं के अभिशाप से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा, इन जनकल्याणकारी निर्णयों के लिए प्रधानमंत्री मोदी का हृदय से आभार। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रसोई गैस की कीमत में 'भारी कटौती' का निर्णय लेने के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अब उज्ज्वला लाभार्थियों को रसोई गैस में 400 रुपए की सब्सिडी और अन्य सभी उपभोक्ताओं को रसोई गैस में 200 रुपए की छूट मिलेगी। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर हमारी नारी शक्ति को मोदी जी का उपहार।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की माताओं-बहनों के लिए कुकिंग गैस सिलेंडर पर 200 रुपए की सब्सिडी को मंजूरी दी है। आज 75 लाख नए उज्ज्वला गैस कनेक्शन को भी मंजूरी दी गई है। इन निर्णयों से न केवल जनता का कल्याण होगा बल्कि उन्हें महंगाई से भी राहत मिलेगी। इन निर्णयों के लिए प्रधानमंत्री को बहुत धन्यवाद। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, ओणम और रक्षा बंधन के अवसर पर आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रसोई गैस की कीमतों में 200 रुपए की कटौती का फैसला लिया। इस मौके पर माताओं और बहनों को यह स्नेह भेंट देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, रक्षाबंधन की भेंट। प्रधानमंत्री मोदी ने दिया स्वच्छ ईंधन के माध्यम से सम्मान, सुरक्षा एवं समृद्धि का रक्षा सूत्र। घरेलू गैस सिलेंडर हुआ 200 रुपए सस्ता। देश की सभी बहनों की ओर से नरेन्द्र भाई का आभार।

मणिपुर में चार उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार एवं गोला बारुद बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर में विभिन्न संगठनों के चार उग्रवादियों को अलग-अलग अभियान में गिरफ्तार किया गया और उनके पास से हथियार एवं गोला बारुद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया तलाश अभियानों के दौरान पुलिस के दलों ने नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नगालैंड (इसाक मुइवा) और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक-एक उग्रवादी और इंफाल ईस्ट तथा बिष्णुपुर जिले से कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (लमयांबा खुमान गुट) के लिए काम करने वाले दो लोगों को पकड़ा।

'राष्ट्र प्रथम' की भावना को आत्मसात करें लोग : परनायक

इटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के.टी. परनायक (सेवानिवृत) ने लोगों से 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि सीमावर्ती इलाकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सिर्फ सुरक्षा बलों की नहीं बल्कि हर नागरिक की है। राज्य के पूर्वी कामेंग जिले के सबसे दूरस्थ गांवों में से एक चायांग्ताजो का दौरा करते हुए राज्यपाल ने लोगों को सतर्क रहने और सीमावर्ती इलाकों में मौजूदगी बनाने की सलाह दी। चायांग्ताजो का चयन जीवंत ग्राम पायलट कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ है। जनसभा को संबोधित करते हुए परनायक ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को उपेक्षित महसूस नहीं करना चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के तहत सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं और कार्यक्रम शुरू किए जाने हैं। उन्होंने लोगों से विशेषतौर पर युवाओं से कहा कि शहरी इलाकों में प्रवास करने के बजाए उन्हें आत्म निर्भर बनना चाहिए और कार्यक्रमों का फायदा उठाना चाहिए।

राजद ने केंद्र पर बिहार में जाति सर्वेक्षण अवरुद्ध करने के प्रयास का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंगलवार को केंद्र पर बिहार में जाति सर्वेक्षण को रोकने का प्रयास करने और समाज के एक बड़े वर्ग को उसके अधिकारों से 'वंचित' करने का आरोप लगाया।

राजद सांसद और पार्टी प्रवक्ता मनोज झा ने दावा किया कि इस मामले पर अदालत में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की उपस्थिति से पता चलता है कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) जाति सर्वेक्षण को अवरुद्ध करने के प्रयास में सीधे तौर पर शामिल है। झा ने एक वीडियो में कहा, पीएमओ के निर्देश पर जाति सर्वेक्षण को रोकने का प्रयास किया जा रहा है जो बिहार में लगभग पूरा हो चुका है। इससे पता चलता है कि भाजपा और संघ समाज के इतने बड़े वर्ग को उनके अधिकारों से वंचित करना चाहते हैं। यह उनकी प्राथमिकता है।

उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब एक दिन पहले ही केंद्र ने उच्चतम न्यायालय से कहा था कि संबंधित कानून के तहत जनगणना कराने का अधिकार केवल उसके पास है क्योंकि यह विषय संविधान की संघ सूची के तहत आता है।

बिहार में जाति सर्वेक्षण को मंजूरी देने के पटना उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के संबंध में दायर हलफनामे में केंद्र ने कहा कि केंद्र सरकार संविधान के प्रावधानों और लागू कानून के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एसईबीसी (सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े) और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के उत्थान के लिए सभी सकारात्मक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

झा ने कहा, तुषार मेहता की मौजूदगी साफ तौर पर दिखाती है कि जाति सर्वेक्षण को रोकने में पीएमओ सीधे तौर पर शामिल है। हलफनामे में पांचवां बिंदु कहता है कि 'जनगणना और जनगणना जैसी कोई भी चीज, जो दर्शाता है कि सर्वेक्षण को भी अवरुद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है। जब हो-हल्ला मचाया गया तो उन्होंने कहा कि यह अनजाने में हुई गलती है। उन्होंने कहा कि यह 'अनजाने' में नहीं हुआ, बल्कि सर्वेक्षण को रोकने के लिए 'जानबूझकर' किया गया है।

राजद नेता ने कहा, आप (केंद्र) समाज के इतने बड़े वर्ग को उसके अधिकारों से वंचित कर एक ज्वालामुखी को न्यौत रहे हैं। यह सब करके आप बेनकाब हो रहे हैं। आप जाति सर्वेक्षण को रोक नहीं सकते।

घोसी विस चुनाव का फैसला देश की राजनीति में बदलाव लाएगा : यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मऊ (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि घोसी विधानसभा चुनाव का फैसला देश की राजनीति में बदलाव लाएगा।

सपा प्रमुख यहां कोपागंज के बापू इंटर कॉलेज के मैदान में घोसी विधानसभा क्षेत्र के उप चुनाव के पार्टी उम्मीदवार सुधाकर सिंह के समर्थन में आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। विपक्षी दलों के समूह 'इंडिया' के गठन के बाद हो रहे इस उपचुनाव में यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)पर कई आरोप लगाए। उन्होंने मतदाताओं से कहा, अगर आपको मुकाबला भी करना पड़े तो अपने वोट के अधिकार के लिए मुकाबला करना, क्योंकि घोसी विधानसभा का संदेश केवल उत्तर प्रदेश के लिए नहीं है। घोसी विधानसभा के एक-एक वोट का संदेश देश में जाने वाला है क्योंकि देश में कहीं और ऐसा चुनाव नहीं होने जा रहा है।

यादव ने 'इंडिया' के घटक दलों से मिले समर्थन की ओर संकेत करते हुए कहा कि ऐसा चुनाव शायद ही प्रदेश में देखने को मिला होगा, जहां पर सपा के प्रत्याशी के लिए जाति धर्म की सभी सीमाएं टूट गईं। अगर जाति धर्म की सीमाएं टूटी हैं तो दलों के सब बंधन टूट गए। उन्होंने कहा, जो दल कभी हम लोगों के खिलाफ थे, आज सब सपा का समर्थन कर रहे हैं। हम उन दलों को बधाई देते हैं जो समाजवादियों का साथ दे रहे हैं। यह महत्वपूर्ण लड़ाई है। यह छोटी लड़ाई नहीं। यह बड़ा फैसला होगा आपका। यह ऐसा फैसला होगा जो देश की राजनीति मे बदलाव लाएगा।

पूर्व विधायक इमरान मसूद बसपा से निष्कासित

लखनऊ/भाषा। पूर्व विधायक इमरान मसूद को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) से निष्कासित कर दिया गया है। बसपा की सहारनपुर इकाई ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। पूर्व विधायक हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रशंसा को लेकर चर्चा में आए थे। सहारनपुर जिले के प्रभावशाली मुस्लिम नेता मसूद ने 23 अगस्त को पार्टी प्रमुख मायावती की अध्यक्षता में लखनऊ में हुई बसपा नेताओं और पदाधिकारियों की बैठक में भी शिरकत नहीं की थी। पिछले साल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इमरान मसूद कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी (सपा) में चले गए थे। हालांकि चुनाव के बाद सितंबर 2022 में वह सपा छोड़कर बसपा में शामिल हो गए। बसपा की सहारनपुर इकाई द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि मसूद को पूर्व में अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर कई बार चेतावनी दी गई थी, लेकिन कोई सुधार नहीं होने पर उन्हें बसपा से निष्कासित कर दिया गया है।

बिहार : खेल सम्मान समारोह में 411 एथलीट और कोच सम्मानित किए गए

पटना/भाषा। बिहार सरकार ने मंगलवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 42 अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं के 400 खिलाड़ियों और 11 कोच को पदक, नकद और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (बीएसएसए) और कला, संस्कृति और युवा विभाग द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस (हॉकी के जादूगर माने जाने वाले मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर) मनाने के लिए यहां आयोजित एक खेल सम्मान समारोह के दौरान इन खिलाड़ियों और 11 कोच को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री जीतेंद्र कुमार राय ने किया। उन्होंने खेल और एथलेटिक्स के क्षेत्र में समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए इस अवसर पर बीएसएसए की नई वेबसाइट का भी अनावरण किया।

इस कार्यक्रम के दौरान 42 अलग-अलग प्रतिस्पर्धाओं के 400 एथलीट और 11 कोच सहित कुल 411 लोगों को प्रमाण पत्र और 4.24 करोड़ रुपए से अधिक की नकद पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। इनमें से छह महिला और 11 पुरुष खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीते हैं जबकि 221 पुरुष और 162 महिला खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा बटोरी है।

ममता बनर्जी के जल्द लोकसभा चुनाव कराए जाने की आशंका का नीतीश कुमार ने किया समर्थन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिहारशरीफ/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पश्चिम बंगाल की अपनी समकक्ष ममता बनर्जी द्वारा समयपूर्व लोकसभा चुनाव कराए जाने की आशंका जताए जाने पर सहमति जताते हुए मंगलवार को कहा कि वह पिछले सात-आठ महीने से ऐसी ही भविष्यवाणी कर रहे थे।

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के शीर्ष नेता नीतीश ने हाल में दावा किया था कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में और अधिक दल शामिल हो सकत हैं। उन्होंने हालांकि, किसी दल का नाम नहीं लिया था लेकिन कहा था कि मेरा प्रयास भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ जितना संभव हो सके उतने लोगों को एक साथ लाना है।

नालंदा में नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय (एनओयू) के नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए नीतीश ने कहा, हमने विपक्षी दलों के बीच एकता की पहल की है। 31 अगस्त और एक सितंबर को मुंबई बैठक के बाद विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और मजबूत होगा। नीतीश ने कहा, मैं पिछले सात-आठ महीनों से कह रहा हूं कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार विपक्षी एकता के कारण भाजपा को अधिक नुकसान होने के डर से समय से पहले लोकसभा चुनाव करा सकती है। उन्होंने यह टिप्पणी पत्रकारों के सवालों पर की जिन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नवीनतम टिप्पणी पर उनके विचार मांगे थे।

तृणमूल कांग्रेस की युवा शाखा की एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता में कहा था, मुझे आशंका है कि वे (भाजपा) दिसंबर 2023 में ही लोकसभा चुनाव करा सकते हैं। नीतीश ने आगे कहा, इस बात की प्रबल संभावना है कि आम चुनाव पहले हो सकते हैं। इसलिए, आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए सभी विपक्षी दलों को एक साथ आना चाहिए। मैं एक बार फिर दोहरा रहा हूं कि मुझे अपने लिए कोई इच्छा नहीं है... मेरी कोई व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं है।

बंगाल सरकार के काम में सहयोग करूंगा, लेकिन उसके हर एक काम में सहयोग नहीं करूंगा: राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प. बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने मंगलवार को कहा कि वह राज्य सरकार के साथ हमेशा सहयोग करेंगे, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह उसके हर एक काम में सहयोग करेंगे।

बोस ने 'पीटीआई-भाषा' से विशेष साक्षात्कार में स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में राज्य में सामने रहने वाला चेहरा मुख्यमंत्री का होता है, मनोनीत राज्यपाल का नहीं, लेकिन हर एक को अपनी-अपनी 'लक्ष्मण रेखा' के संवैधानिक प्रावधानों के दायरे में रहना होता है। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री राज्यपाल के सम्मानित संवैधानिक सहयोगी हैं। लोकतंत्र में सरकार का सामने का चेहरा निर्वाचित मुख्यमंत्री होता है, मनोनीत राज्यपाल का नहीं। बोस ने कहा, राज्य सरकार जो (काम) करती है, मैं उसमें राज्यपाल के तौर पर सहयोग करूंगा, लेकिन मैं उसके 'हर एक काम में' सहयोग नहीं करूंगा।

राज्यपाल ने कहा, प्रत्येक को अपने दायरे में रहकर अपनी भूमिका निभानी चाहिए। हर किसी की एक 'लक्ष्मण रेखा' है। इस 'लक्ष्मण रेखा' को पार न करें और सबसे महत्वपूर्ण बात यह भी है कि किसी दूसरे के लिए 'लक्ष्मण रेखा' खींचने की कोशिश न करें। यही सहकारी संघवाद की भावना है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को आरोप लगाया था कि राज्यपाल बोस संवैधानिक मानदंडों का उल्लंघन कर रहे हैं और वह उनकी असंवैधानिक गतिविधियों का समर्थन नहीं करतीं। मुख्यमंत्री ममता ने राज्यपाल का जिक्र करते हुए कहा था, निर्वाचित सरकार के साथ पंगा नहीं लें।

उत्तर प्रदेश : सपा का कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गिरफ्तार

प्रतापगढ़ (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) की प्रतापगढ़ इकाई के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गुलशन यादव को लूट और मारपीट के आरोप में मंगलवार को प्रयागराज के कर्नलगंज से गिरफ्तार कर लिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक रोहित मिश्रा ने बताया कि लूट और मारपीट के एक मामले में वांछित सपा के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गुलशन यादव को प्रयागराज के कर्नलगंज क्षेत्र स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि यादव के खिलाफ हत्या और लूट समेत अनेक जघन्य मामलों के कुल 21 मुकदमे दर्ज हैं। उनके विरुद्ध डकैती, हमला करने, आर्थिक नुकसान पहुंचाने और धमकाने के आरोपों में दर्ज एक मुकदमे में गैर जमानती वारंट जारी हुआ था। गुलशन यादव 2022 के विधानसभा चुनाव में कुंडा सीट से जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ सपा के टिकट पर चुनाव लड़े थे। हालांकि उन्हें पराजय का सामना करना पड़ा था। यादव कभी राजा भैया के करीबी माने जाते थे।

उच्चतम न्यायालय का डब्ल्यूएफआई के चुनाव पर रोक वाले आदेश में हस्तक्षेप से इनकार

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनाव पर रोक लगाने के पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने से मंगलवार को इनकार कर दिया। कुछ दिन पहले ही कुश्ती की वैश्विक संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने चुनाव समय पर नहीं कराने के लिए डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था। फैसले के मद्देनजर देश के पहलवान आगामी विश्व चैंपियनशिप में भारत की ओर से भाग नहीं ले पाएंगे। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मित्तल की पीठ ने याचिकाकर्ता आंध्र प्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ से शिकायतें लेकर उच्च न्यायालय का रुख करने को कहा। पीठ ने कहा, हमें इस पर सुनवाई क्यों करनी चाहिए? आप उच्च न्यायालय जाइए... अंतरिम रोक हटाने के लिए अर्जी दायर करने के बजाय याचिकाकर्ता ने उच्चतम न्यायालय आने का फैसला किया। अत: हम इस विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हैं।

राहुल एशिया कप के पहले दो मैच के लिए उपलब्ध नहीं, विश्व कप को लेकर उठे सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। केएल राहुल चोट के कारण आगामी एशिया कप के पहले दो मैचों से बाहर हो गए हैं जिससे भारतीय टीम में उनकी वापसी में देरी होने के साथ पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए उनकी मौजूदगी पर सवाल भी उठ रहे हैं।

भारतीय टीम एशिया कप के शुरुआती मुकाबले में दो सितंबर को पाकिस्तान और उसके बाद चार सितंबर को नेपाल से भिड़ेगी। राहुल इन दोनों मैचों में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। वह टूर्नामेंट के 'सुपर फोर' चरण में टीम से जुड़ेंगे।

राहुल की यह चोट उनकी जांघ की पिछली चोट से संबंधित नहीं है। राहुल जांघ की चोट के कारण पिछले कई महीनों से खेल से दूर हैं।

उन्हें जांघ से चोट से उबरने के बाद बुधवार से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया था।

द्रविड़ ने एशिया कप के लिए रवानगी से पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा, केएल ने हमारे साथ अच्छा सप्ताह बिताया है। वह अच्छा खेल रहा है, वास्तव में अच्छी प्रगति कर रहा है। वह हालांकि कैंडी चरण की यात्रा के पहले भाग के लिए उपलब्ध नहीं रहेगा।

कोच ने कहा कि राहुल एनसीए (राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी) में ही रुकेंगे और टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी पर चार सितंबर को फैसला किया जाएगा।

द्रविड़ ने कहा, जब हम यहां से रवाना होंगे तब अगले कुछ दिनों तक एनसीए उनकी देखभाल करेगा। हम चार सितंबर को फिर से उसका आकलन करेंगे। लेकिन संकेत अच्छे दिख रहे हैं। वह पहले दो मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

केवल जी20 शिखर सम्मेलन के लिए नहीं, बल्कि हमेशा दिल्ली को साफ रखें : केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लोगों से राष्ट्रीय राजधानी को केवल आगामी जी20 शिखर सम्मेलन के लिए ही नहीं, बल्कि हमेशा साफ रखने की मंगलवार को अपील की।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, पिछले कुछ सप्ताहों में दिल्ली के विधायकों, पार्षदों और सफाई कर्मचारियों ने खूब मेहनत करके दिल्ली को चमका दिया है। पीडब्ल्यूडी(लोक निर्माण विभाग), एमसीडी (दिल्ली नगर निगम) एवं अन्य विभागों के इंजीनियर और कर्मचारियों ने भी खूब मेहनत की है। उन्होंने कहा, यह सफाई केवल जी-20 के लिए ही नहीं होनी चाहिए। अब हमें दिल्ली को हमेशा ऐसे ही साफ रखना है।

शिखर सम्मेलन नौ और 10 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। इसकी तैयारी के मद्देनजर मंत्री राष्ट्रीय राजधानी में रखरखाव के कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं। शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को मोती बाग में शिखर सम्मेलन की तैयारियों का जायजा लिया।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव
G20 भारत 2023 INDIA वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

रक्षा बंधन
की हार्दिक शुभकामनाएं

"रक्षाबंधन का पर्व अपने परिवार में खुशियां बढ़ाने का दिन होता है। गैस की कीमतों में कटौती होने से मेरे परिवार की बहनों की सहूलियत बढेगी और उनका जीवन और आसान होगा। मेरी हर बहन खुश रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहे, ईश्वर से यही कामना है।"

-नरेन्द्र मोदी

रसोई गैस का सिलिंडर आज से 200 रुपये सस्ता
75 लाख नए उज्ज्वला गैस कनेक्शन

मोदी जी के नेतृत्व में नारी शक्ति की गरिमा और सम्मान, बना देश का अभिमान

- **4 करोड़ घर** देकर बढ़ाया बहन-बेटियों का स्वाभिमान
- **9.6 करोड़ उज्ज्वला गैस कनेक्शन** से बहन-बेटियों का जीवन धुंआ-मुक्त
- **11 करोड़ से अधिक शौचालयों** से बहन-बेटियों की गरिमा हुई सुनिश्चित
- **₹ 11 लाख करोड़** के **लगभग 30 करोड़ मुद्रा लोन** से बहन-बेटियों की उद्यमिता को लगे पंख
- **10 करोड़ बहन-बेटियाँ,** महिला-स्वयं-सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं
- **3.6 करोड़ से अधिक सुकन्या समृद्धि खाते,** जिनमें **₹ 2 लाख करोड़** जमा
- **13 करोड़** घरों में पहुंचा **नल से स्वच्छ जल**
- **पेड मैटरनिटी लीव हुई 12 से बढ़कर 26 सप्ताह**
- **तीन तलाक की प्रथा समाप्त** कर मुस्लिम बहन-बेटियों की गरिमा सुनिश्चित की

cbc 33101/13/0001/2324

कोटा छात्र आत्महत्या प्रकरण

घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए 'आधे दिन पढ़ाई, आधे दिन मस्ती' आदि उपाय अपनाए जाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/ जयपुर। कोटा में छात्रों के बढ़ते आत्महत्या के मामलों पर लगाम लगाने के लिए सप्ताह में एक दिन 'आधे दिन पढ़ाई, आधे दिन मस्ती', आत्महत्या की प्रवृत्ति वाले छात्रों की पहचान करना और मनोवैज्ञानिक परामर्श देना जैसे कदम उठाए जाएंगे।

छात्रों की बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं पर सोमवार को एक अहम बैठक में ये फैसले लिए गए। अधिकारियों ने ये जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि प्रमुख सचिव (उच्च एवं तकनीकी शिक्षा) भवानी सिंह देथा की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुई बैठक में कोचिंग संस्थानों और हॉस्टल एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। देथा इस मुद्दे पर विचार करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के निर्देश पर गठित एक समिति के अध्यक्ष भी हैं। समिति जल्द ही कोटा का दौरा भी करेगी।

बैठक में लिए गए अन्य निर्णयों में, छात्रों पर पाठ्यक्रमों का बोझ कम करने के प्रयास के लिए कोचिंग संस्थानों को विषय विशेषज्ञों की एक समिति बनाने के लिए कहा गया है। संस्थानों को विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन प्रेरक सत्र आयोजित करने और सभी छात्रों के लाभ के लिए इसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने के लिए भी कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में यह निर्णय लिया गया कि कोचिंग संस्थान प्रत्येक बुधवार को 'आधे दिन पढ़ाई, आधे दिन मस्ती' जैसे सत्र रखेंगे।

बैठक में कोटा के जिला कलेक्टर ओ पी बुनकर, पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी, अतिरिक्त कलेक्टर (प्रशासन) राजकुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भगवत सिंह शामिल हुए। इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सालाना दो लाख से अधिक विद्यार्थी कोटा पहुंचते हैं।

शहर में रविवार को चार घंटे के अंतराल में दो छात्रों ने अपनी जान दे दी। अधिकारियों के अनुसार कोटा जिले में 2023 में अब तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे 22 छात्रों ने आत्महत्या की है। यह किसी भी साल के लिए अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। पिछले साल यह आंकड़ा 15 था।

भरतपुर में सड़क हादसे में दम्पति सहित चार लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में एक सड़क दुर्घटना में एक दम्पति सहित चार लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, कैथवाड़ा इलाके में तेज रफ्तार से जा रहे एक ट्रक ने एक दोपहिया वाहन और एक ट्रैक्टर ट्रॉली को टक्कर मार दी और फिर एक पेड़ से जा टकराया।

पुलिस ने बताया कि सोमवार देर रात हुए इस हादसे में एक व्यक्ति, उसकी पत्नी, साली और ट्रक चालक की मौत हो गई। मृतकों की पहचान तारीफ, उसकी पत्नी नाजरीन, नाजरीन की बहन आफरीन (लगभग 12 वर्ष) और ट्रक चालक अनीश के रूप में हुई। तारीफ, उनकी पत्नी और आफरीन दोपहिया वाहन पर पास की जगह जा रहे थे तभी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। ट्रक एक ट्रैक्टर ट्रॉली से भी टकराया और फिर एक पेड़ से जा टकराया।

छात्रों की आत्महत्याएं नहीं थमने पर कोटा के कोचिंग संचालकों को दी कड़ी हिदायते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। कोचिंग छात्रों के लिए राज्य सरकार की ओर से जारी की गई गाइडलाइन की पालना करने के बार-बार के निर्देशों के बावजूद कोटा के कोचिंग संचालक मनमाने तरीके से अपने ही नियम लागू करते हैं और आमतौर पर गाइडलाइंस के कई प्रावधानों का उल्लंघन किया जाता है।

यह माना जाता रहा है कि कोटा में कोचिंग छात्रों पर पढ़ाई के अतिरिक्त बौझ और उसके कारण उपजे तनाव यहां के कोचिंग छात्रों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति का एक बड़ा कारण है। हालांकि इस बारे में आधिकारिक तौर पर तो कुछ भी नहीं कहा जाता लेकिन इसी को दृष्टिगत रखते हुए प्रशासन की ओर से बार-बार यह गाइडलाइन जारी की जाती रही है कि रविवार सहित अन्य अवकाश के दिनों में शैक्षणिक गतिविधियों और टेस्ट से कोचिंग छात्रों को मुक्त रखा जाए और इस दिन कोचिंग के बजाय आमोद-प्रमोद की गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाए ताकि कोचिंग छात्र पढ़ाई के बोझ के तनाव से उबर कर प्रफुल्लित रह सके लेकिन गाइडलाइन के से प्रत्येक प्रावधान अवहेलना की जाती रही है जिसका ताजा एवं गंभीर उदाहरण बीता रविवार था जब अवकाश होने के बावजूद रविवार को लन सहित कोटा के दो कोचिंग संस्थानों में टेस्ट आयोजित किए गए और टेस्ट के तत्काल बाद ही दो कोचिंग छात्रों ने आत्महत्या कर ली।

कोटा में रविवार को घटी इन्ही घटनाओं को लेकर गाइडलाइन के उल्लंघन करने की कोचिंग संस्थानों की प्रवृति को राज्य सरकार ने काफी गंभीरता से लिया है और सोमवार को कोचिंग संचालकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत करते हुए प्रमुख शासन सचिव (शिक्षा) भवानी सिंह देथा ने उन्हें कड़ी हिदायत दी। गौरतलब है कि कोटा में अकेले अगस्त महीने में सात कोचिंग छात्रों ने विभिन्न कारणों से आत्महत्या कर ली।

बच्चों को 'क्वालिटी एजुकेशन' हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी : जाहिदा खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती जाहिदा खान ने कहा है कि समय की आवश्यकता और तकनीक के बदलते दौर में स्कूल शिक्षा विभाग बच्चों को 'क्वालिटी एजुकेशन' देने के लक्ष्य को केन्द्र में रखकर 'राजस्थान मिशन-2030' की रूपरेखा तैयार करे। छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के जरिए दुनिया में चुनौतियों की हर कसौटी पर खरा उतरने के काबिल बनाना हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। श्रीमती खान मंगलवार को मालवीय नगर में होटल हैयात में 'राजस्थान मिशन-2030 (विकसित राजस्थान-2030)' के तहत आयोजित स्कूल शिक्षा विभाग की राज्य स्तरीय कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रही थीं।

शिक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की दूरगामी सोच के कारण प्रदेश में स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए बदलाव आए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में गहलोत के पहले कार्यकाल में प्रदेश में गांव और ढाणियों में राजीव गांधी पाठशालाएं खोलने की पहल की गई। इससे राज्य में गांवों के अंतिम छोर पर शिक्षा की अलख जगाई गई। उनके दूसरे कार्यकाल के दौरान स्कूल और कॉलेज शिक्षा, दोनों में गुणात्मक सुधार की दिशा में कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार वर्तमान सरकार के कार्यकाल में प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों की शुरूआत के साथ ही सभी जिलों में नए कॉलेज खोलने की मुहिम से शिक्षा के परिदृश्य में बड़ा बदलाव आया है।

शासन सचिव स्कूल शिक्षा नवीन जैन ने कहा कि प्रदेश में स्कूल शिक्षा का स्वरूप पूरे राज्य के परिदृश्य का निर्धारण करने में सबसे अहम है। मानव संसाधन, पहुंच और लाभार्थियों की संख्या जैसे पैरामीटर्स के हिसाब से 'राजस्थान मिशन-2030' के तहत स्कूल शिक्षा विभाग की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। इसे देखते हुए 'राजस्थान मिशन-2030' के लिए विभाग का 'विजन डाक्यूमेंट' तैयार करने के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की गई है। इस राज्य स्तरीय कार्यशाला के बाद आगामी 6 सितम्बर को सभी 9 संयुक्त निदेशकों के स्तर पर इसी पैटर्न पर वर्कशॉप आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर 12 सितम्बर को दूसरे तथा 18 सितम्बर को तीसरे दौर की कार्यशालाओं में स्टेकहोल्डर्स के साथ चर्चा की जाएगी।

शासन सचिव ने बताया कि इसके अलावा जो टीचर्स 'राजस्थान मिशन-2030' के लिए विभाग के 'विजन डाक्यूमेंट' के लिए अपने आईडियाज शेयर करने में रुचि रखते हैं, उनके साथ वीसी आयोजित होगी। वहीं प्रदेश की सरकारी और निजी स्कूलों में कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत विद्यार्थियों के बीच निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित कर उनमें से श्रेष्ठ विचारों को भी विभाग के प्रतिवेदन में शामिल किया जाएगा। कार्यशाला में स्कूल शिक्षा निदेशक कानाराम और राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की आयुक्त और राज्य परियोजना निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला ने अपने प्रस्तुतीकरण में वर्ष 2030 में प्रदेश में स्कूल शिक्षा के भावी स्वरूप के संदर्भ में विभागीय सुदृढ़ीकरण, नवाचार और आईडियाज शेयर किए। वहीं नौ अलग-अलग समूहों में शामिल शिक्षाविदों, अधिकारियों और शिक्षकों के बीच 'राजस्थान मिशन-2030' पर व्यापक चर्चा की गई।

वायु सेना स्कूल जयपुर ने मनाया वीर गाथा परियोजना का तीसरा संस्करण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वायु सेना स्कूल जयपुर द्वारा वीर गाथा परियोजना का तीसरा संस्करण यहां मनाया गया। इस दौरान स्कूल द्वारा छात्रों के बीच देश के वीरता पुरस्कार विजेताओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से युद्ध नायकों की बहादुरी और देशभक्ति पर आधारित चित्रकारी, प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन आदि विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गई।

इस श्रृंखला में सोमवार को दूसरी राजपूताना राइफल्स के वीरता पुरस्कार विजेता हवलदार दिगेंद्र सिंह महावीर चक्र, सेना मैडल (सेवानिवृत्त) के साथ एक लाइव इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया, जो 1999 के कारगिल युद्ध के योद्धा हैं। कारगिल योद्धा ने द्रास सेक्टर में तोलोलिंग पहाड़ियों की ऊंचाइयों पर कब्जा करने के दौरान कारगिल युद्ध के अपने अनुभवों को छात्रों के साथ साझा किया।

अनुभवी योद्धा की वीरता, अदम्य साहस और धैर्य से विद्यार्थी प्रेरित हुए। सत्र के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों को अपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार रहने और अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने और सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के कार्यकारी निदेशक ने वीरता पुरस्कार विजेता को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल सीमा भाटी ने आभार व्यक्त किया।

खाचरियावास ने कोटा के कोचिंग सेंटरों की तुलना 'माफिया' से की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

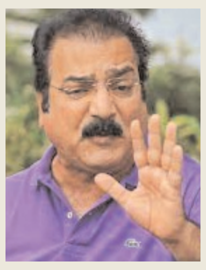

जयपुर। इस साल अब तक हुई 23 आत्महत्याओं के मद्देनजर राजस्थान के कोटा कोचिंग सेंटरों पर राज्य के मंत्रियों ने बड़ा हमला बोला है। एक मंत्री ने तो इन संस्थानों को माफिया का पर्याय कहा है। मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने संस्थानों की तुलना माफिया से करते हुए कहा, मैं मानता हूं कि कोचिंग प्रबंधकों के पास पैसे की ताकत है लेकिन वे उस आधार पर छात्रों को धमकी नहीं दे सकते...। मैं माता-पिता को यह एहसास दिलाना चाहता हूं कि उनके बच्चे कोचिंग के कारण सफल नहीं हो रहे हैं बल्कि इसलिए सफल हो रहे हैं क्योंकि वे प्रतिभाशाली हैं...। यह (कोचिंग संस्थान) छात्रों को हतोत्साहित करते हैं...। इस कोचिंग माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए...। एसपी और कलेक्टर को मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कार्य करना चाहिए...।''

उन्होंने संस्थानों को चेतावनी दी कि वे अपने तरीके सुधारें और पैसे के आधार पर बच्चों पर अत्याचार न करें या कार्रवाई का सामना करने के लिए खुद को तैयार रखें। जलापूर्ति मंत्री महेश जोशी ने कहा कि देशभर में कोचिंग सेंटर बंद होने चाहिए। केंद्र को उपाय करना चाहिए और स्कूलों में शिक्षा को मजबूत करना चाहिए ताकि छात्रों को कोचिंग न जाना पड़े। यह कहते हुए कि मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से छात्रों में अवसाद होता है, गोविंद राम मेघवाल ने उन्हें इसका उपयोग न करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, छात्रों को खुद को बुरी संगति से दूर रखना चाहिए और मोबाइल फोन के अधिक उपयोग से बचना चाहिए। पहले, बच्चे अपने परिवारों के करीब रहते थे और उनकी चुनौतियों पर चर्चा करके समाधान ढूंढते थे। हालाँकि, मोबाइल फोन के अत्यधिक संपर्क के कारण, छात्र अवसाद का शिकार हो रहे हैं।

रक्षा बंधन

कोटा में मंगलवार को सांगोद के दूधिया खेड़ी में बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

कैलाश मेघवाल ने अर्जुनराम को बताया भ्रष्ट नंबर वन

जयपुर। चुनावों से पहले भाजपा में घमासान और तेज हो गया है। वसुंधरा राजे के समर्थकों का अब सब्र टूटने लगा है। पूर्व मंत्री एवं विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष रहे कैलाश मेघवाल ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को भ्रष्ट नंबर वन बोल दिया है। चूनावों से पहले भाजपा में इस तरह के और भी बयान सामने आ सकते हैं। दरअसल अब तक चुनावों को लेकर राजस्थान में भाजपा ने जितनी भी कमेटियों का गठन किया है, उसमें वसुंधरा राजे नहीं है। यही वजह है कि वसुंधरा राजे समर्थकों के मन में जबरदस्त गुस्सा है।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी व अन्य नेता भी यह बयान दे चुके हैं कि इस बार चुनाव पार्टी सिंबल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर ही लड़ा जाएगा। इससे पहले दो बार मुख्यमंत्री बनी वसुंधरा राजे चुनावों में भाजपा का फेस रही हैं। परिवर्तन यात्रा और संकल्प सुराज यात्रा का नेतृत्व वसुंधरा राजे ने ही किया था, लेकिन इस बार प्रदेश में यात्रा की रणनीति बदलकर क्षेत्रवार कर दी है और राजे को एक इलाका सवाई माधोपुर ही दिया है।

'गुड टच बैड टच' अभियान से बच्चे सुरक्षित और विजिलेंट होंगे : खान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गत 26 अगस्त को प्रदेश की 65 हजार 122 सरकारी स्कूलों में नो बैग डे के तहत एक ही दिन में 58 लाख से अधिक विद्यार्थियों को 'असुरक्षित स्पर्श' के बारे में जागरूक करने की गतिविधि को 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में विश्व कीर्तिमान के रूप में दर्ज किया गया है। शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती जाहिदा खान को मंगलवार को शासन सचिवालय के मंत्रालय भवन में आयोजित कार्यक्रम में इस विश्व रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने सौंपा।

इस मौके पर शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती खान ने कहा प्रदेश की स्कूलों में बच्चों को सुरक्षित बनाने और इंसानियत की दिशा में यह अभियान महत्वपूर्ण कदम है, इससे बच्चे विजिलेंट और सुरक्षित होंगे, ऐसे कार्यों की समाज को बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में प्राइवेट स्कूलों में भी यह कार्यक्रम चलाया जाएगा, वहीं पेरेंट्स को भी अवेयर करने की पहल की जाएगी। उन्होंने 'गुड टच बैड टच' जैसे संवेदनशील विषय पर वृहद स्तर पर बच्चों में जागरूकता पैदा करने की मुहिम चलाते हुए विश्व कीर्तिमान बनाने पर शासन सचिव नवीन जैन और शिक्षा विभाग की पूरी टीम की मेहनत, प्रयासों और योगदान की सराहना की।

शासन सचिव नवीन जैन ने बताया गत शनिवार को प्रदेश की 65 हजार 122 सरकारी स्कूलों में नो बैग डे के तहत प्रातः 8 से 12 बजे के बीच एक लाख से अधिक सेशंस में 58 लाख से अधिक बच्चों को 'असुरक्षित स्पर्श' के बारे में जागरूक और प्रशिक्षित किया गया। इस एक्टिविटी को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के इंडिया एडिशन द्वारा विश्व कीर्तिमान के रूप में दर्ज किया गया है।

कांग्रेस पार्टी जिताऊ उम्मीदवार को टिकट देगी : सिंह

अलवर । पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का राजस्थान विधानसभा चुनाव में टिकट जिताऊ उम्मीदवार को मिलेगी। सिंह आज यहां फूल बाग में आए लोगों से मुलाकात कर रहे थे। उनके निवास पर टिकट लेने वालों की नेताओं की काफी भीड़ लगी हुई थी। इस भीड़ को देखकर सिंह उत्साहित थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने महसूस किया है कि कांग्रेस के कार्यकर्ता प्रदेश में हजारों की तादाद में टिकट मांग रहे हैं। यह अच्छी बात है। यह दर्शाता है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश है। उन्हें पता है कि कांग्रेस सरकार रिपीट होगी। कांग्रेस सरकार ने 5 साल में ऐतिहासिक और विकास के काम किए हैं।

उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में महंगाई राहत से भी लगाए हो या अन्य सभी वर्गों को राहत दी है। ऐसी योजना राजस्थान के अलावा किसी भी राज्य में नहीं है। कांग्रेस सरकार की योजनाएं घोषणाएं नहीं है बल्कि धरातल पर हैं। पूरे प्रदेश में अच्छा माहौल बना हुआ है।

पर्यावरण सुधार के लिए हर व्यक्ति एक पेड़ लगाने और देखभाल की ले जिम्मेदारी : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आवासन आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अल्पा चौधरी ने कहा कि सौंदर्यीकरण और पर्यावरण सुधार के लिए सिर्फ सिटी पार्क में ही नहीं हमें अपने चारों और भी पेड़-पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति एक पेड़ लगाने और उसकी सार संभालने की जिम्मेदारी लेगा तभी हम पर्यावरण को संरक्षित कर पाएंगे श्रीमती चौधरी ने मंगलवार को नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही। बैंक द्वारा सिटी पार्क में 100 पौधे लगाए गए। उन्होंने कहा कि बैंक द्वारा पौधे लगाने और 2 वर्ष तक स्वयं के स्तर पर उनकी जिम्मेदारी लेने का कार्य काफी सराहनीय है। उन्होंने बताया कि पार्क को घना और नैसर्गिक लुक देने के लिये यहां प्रत्येक वर्ष हजारों की तादाद में मण्डल द्वारा पौधारोपण भी किया जाता है। सिटी पार्क अपनी नैसर्गिक खूबसूरती से देश-विदेश में लोकप्रिय हो गया है।

आवासन आयुक्त एवं सचिव ने बताया कि नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा सिटी पार्क में 50 कचनार और 50 चम्पा के पौधे लगाए गए और साथ ही बैंक ने आगामी 2 वर्ष तक इन पौधों की सार संभाल की जिम्मेदारी एवं उनमें होने वाले खर्चे भी स्वयं के स्तर पर करने का आश्वासन दिया है। आवासन मण्डल के साथ सिटी पार्क में पेड़-पौधे लगाने वाली यह एसी दूसरी संस्था काम कर रही है जो खुद ही अपने पौधे लगाकर उनकी देखभाल भी करेंगी।

नए जिलों में विभागीय कार्यालयों का सुचारू संचालन हो सुनिश्चित : शर्मा

जयपुर। मुख्य सचिव श्रीमती उषा शर्मा ने कहा कि नवसृजित जिलों में समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही निराकरण होने से लोगों को भरपूर राहत मिलेगी। उन्होंने इन जिलों के जिला कलक्टर एवं विशेषाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आमजन को सुशासन प्रदान करने की दिशा में और अधिक प्रभावी रूप से कार्य करें। साथ ही, विभागीय कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों का पदस्थापन सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव शासन सचिवालय में मंगलवार को राज्य के नवसृजित जिलों में विभागीय कार्यालयों के सुचारू संचालन की समीक्षा कर रही थीं।

बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि नवगठित जयपुर ग्रामीण तथा जोधपुर ग्रामीण जिलों का जयपुर शहर एवं जोधपुर शहर जिले से स्वतंत्र अन्य भवन में अस्थायी कार्यालय शीघ्र गठित करें। जिससे दोनों जिले सुशासन की दिशा में बेहतर तरीके से कार्य कर सकें।

राजनीतिक संदेश के साथ मलयालम में ओणम की स्टालिन ने शुभकामनाएं दीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने मंगलवार को मलयालम में ओणम की शुभकामनाएं दीं और इस अवसर का इस्तेमाल एक राजनीतिक संदेश देने के लिए किया।

सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) प्रमुख स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर मलयालम भाषा में पोस्ट किए एक वीडियो संदेश में केरल तथा तमिलनाडु दोनों से केंद्र में ऐसी सरकार के गठन के लिए एकजुट होने का आग्रह किया जो सभी को समान रूप से देखती हो।

उन्होंने कहा कि देश में एकता और समानता कायम होनी चाहिए जैसे कि पौराणिक राक्षस राजा महाबली के शासन के दौरान थी।

स्टालिन ने कहा, 'ऐसी केंद्र सरकार के गठन के लिए एकजुट रहें जो सभी को समान रूप से देखती है... मेरे प्रिय केरलवासियों को ओणम की हार्दिक शुभकामनाएं।' उन्होंने कहा, 'हम परस्पर प्रेम और सौहार्द का समुदाय बनाएं जो सभी को समान नजरिये से देखता हो।'

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने राजनीतिक संदेश के साथ ओणम की शुभकामनाएं ऐसे वक्त में दी हैं जब दोनों दक्षिणी राज्यों तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार के बीच विभिन्न मुद्दों पर टकराव है। लोक कथाओं के अनुसार, ओणम पौराणिक असुर राजा महाबली की वापसी से जुड़ा एक त्योहार है।

ऐसी मान्यता है कि राजा महाबली के शासनकाल में हर व्यक्ति खुश था और हर किसी को समान समझा जाता था। महाबली की लोकप्रियता से ईर्ष्या करने वाले देवता, भगवान विष्णु की सहायता से उन्हें पाताल लोक भेजने में कामयाब रहे, लेकिन महाबली ने भगवान विष्णु से एक वरदान प्राप्त किया कि वह हर साल तिरुवोणम दिवस पर अपनी प्रजा से मिलने केरल लौटेंगे।

एक घर में हुए पटाखा विस्फोट से एक ही परिवार के चार लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के नामक्कल जिले के एक घर में पटाखा विस्फोट में एक ही परिवार के चार सदस्य झुलस गये। पुलिस ने कहा कि एक लाइसेंस प्राप्त आतिशबाजी निर्माण इकाई का मालिक गोदाम से पटाखे सोमवार की रात अपने घर ले गया था, तभी मच्छर के बल्ले से निकली चिंगारी से उसमें विस्फोट हो गया। यह घटना तब घटी जब गोदाम के मालिक कानन (42) के आवास की तीसरी मंजिल पर पटाखे फेंके गए थे जिसमें चार लोग घायल हो गए(18) और हंसिका (10) को अग्निशमन सेवा कर्मियों ने रस्सियों की मदद से बचाया तथा उन्हें रासीपुरम सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। नमक्कल जिला कलेक्टर एस.उमा और वरिष्ठ पुलिस और राजस्व अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और घटना की जांच की जा रही है।

वनडे ने मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित किया : कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एकदिवसीय विश्वकप शुरू होने में अब जबकि कुछ सप्ताह का समय बचा है तब भारत के शीर्ष बल्लेबाज विराट कोहली ने इस प्रारूप के प्रति अपने लगाव के बारे में बात करते हुए कहा कि इसने उन्हें हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित किया। भारत में पिछले 10 वर्षों से आईसीसी का कोई खिताब नहीं जीता है लेकिन पांच अक्टूबर से शुरू होने वाले विश्वकप में उसे खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स से बात करते हुए वनडे में सफल होने के लिए तकनीकी चुनौतियों और रणनीतिक फैसला लेने के कौशल पर बात की। उन्होंने कहा, मुझे वनडे क्रिकेट में खेलना पसंद है। मेरा मानना है कि वनडे क्रिकेट संभवतः एक ऐसा प्रारूप है जिसमें आपके खेल की संपूर्ण परीक्षा होती है। इसमें आपकी तकनीक, धैर्य, परिस्थितियों के अनुसार खेलने और खेल के विभिन्न चरणों में अलग-अलग तरह से खेलने के कौशल की परीक्षा होती है।

कोहली ने कहा, इसलिए मेरा मानना है कि यह एक बल्लेबाज के रूप में आपकी परीक्षा लेता है और मुझे यह भी लगता है कि वनडे क्रिकेट ने मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया क्योंकि मुझे चुनौतियां पसंद है और मैं अपनी टीम की जीत के लिए परिस्थितियों के अनुसार खेलता हूं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा ऐसा करने का प्रयास करता हूं और जैसे मैंने कहा यह प्रारूप मुझे अपनी बल्लेबाजी के सभी पहलुओं को परखने का लगातार मौका देता है और यही वजह है कि मैं वनडे क्रिकेट खेलने का पूरा लुत्फ लेता हूं।

कोहली का 50 ओवरों के प्रारूप में रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने इस प्रारूप में अभी तक 46 शतक लगाए हैं। इनमें से 26 शतक उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए लगाए हैं जो कि एक रिकॉर्ड है।

2024 के आम चुनाव नजदीक आने पर भी तमिलनाडु में एनडीए एकजुट नहीं

चेन्नई। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) तमिलनाडु में अभी भी मजबूत स्थिति में नहीं है, जबकि 2024 के आम चुनाव कुछ महीने दूर हैं। अन्नाद्रमुक, जो द्रविड़ राजनीति में द्रमुक को टक्कर दे सकती है, तमिलनाडु में गठबंधन का नेतृत्व करना चाहती है, जिसका पालन करने में राज्य भाजपा अनिच्छुक है।

इससे भी बड़ी बात यह है कि पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई के बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद एआईएडीएमके और बीजेपी आमने-सामने हैं। अन्नामलाई भी कई मौकों पर एआईएडीएमके के खिलाफ सामने आए और उन्होंने एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। अन्नाद्रमुक, जो द्रमुक के बाद एकमात्र पार्टी है जिसका तमिलनाडु में जमीनी आधार है, भाजपा अध्यक्ष और उनकी हरकतों के खिलाफ सामने आई। नई दिल्ली में हाल ही में हुई एक बैठक में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अन्नाद्रमुक के सर्वोच्च नेता, एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) को आमंत्रित किया, जो राज्य भाजपा के लिए अच्छा संकेत नहीं था। एनडीए की एक अन्य सहयोगी पार्टी पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) भी तमिलनाडु में बीजेपी के पूर्ण समर्थन में नहीं है और पार्टी राज्य में एनडीए का नेतृत्व अपने हाथ में लेना चाहती है, जो कि एआईएडीएमके को नापसंद है।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मंगलवार को तमिलनाडु की एक ब्रिटिश भारतीय डॉ. चारुलता मोनिका देवेन्द्रन जो कि ब्रिटेन के एम्सबरी की मेयर हैं ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की।

एनआईए के समन जारी करने की खबरों पर वरलक्ष्मी ने तोड़ी चुप्पी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हर तरफ यह चर्चा सुनने को मिल रही थी कि दक्षिण की लोकप्रिय अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरथकुमार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उनके पूर्व मैनेजर आदिलिंगम से जुड़े एक मामले में तलब किया है।

आदिलिंगम को केरल में एक एके 47 बंदूक और 300 किलोग्राम हेरोइन के मामले में गिरफ्तार किया गया था। अब वरलक्ष्मी ने सोशल मीडिया के जरिए एक आधिकारिक बयान में अफवाहों का खंडन करते हुए इन बातों को असत्य करार दिया है।

अभिनेत्री ने नोट में लिखा, हालिया घटनाओं को लेकर मुझे लगता है कि स्पष्टता के उद्देश्य से इस मुद्दे को संबोधित करना महत्वपूर्ण है। प्रसारित होने वाली सभी समाचार सूचनाएं जिनमें यह उल्लेख किया गया है कि मुझे एनआईए द्वारा आदिलिंगम से जुड़े एक मामले के संबंध में बुलाया गया है वह झूठी और महज अफवाहें हैं। ऐसा कोई समन जारी नहीं किया गया है। कहीं भी व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए कोई अनुरोध नहीं किया गया है।

उन्होंने आगे कहा, मिस्टर आदिलिंगम ने तीन साल पहले एक फ्रीलांस मैनेजर के रूप में मेरे साथ केवल कुछ समय के लिए काम किया था। इस अवधि के दौरान मैं कई अन्य फ्रीलांस मैनेजरों के साथ भी काम कर रही थी। उनके कार्यकाल के बाद आज तक हमारा एक-दूसरे से कोई जुड़ाव या संवाद नहीं हुआ है। मैं भी इस खबर से स्तब्ध हूं। मुझे सरकार की हरसंभव मदद करने में खुशी होगी।

नोट के अंत में उन्होंने लिखा, यह निराशाजनक है कि इन दिनों बिना किसी सच्चाई या संबंधित व्यक्तियों के स्पष्टीकरण के मशहूर हस्तियों का इस्तेमाल किया जा रहा है और उन्हें खबरों में खींचा जा रहा है। मैं मीडिया से अनुरोध करती हूं कि प्रतिष्ठा की भारी कीमत पर अटकलें लगाने के बजाय तथ्यों पर आधारित लेख और जानकारी प्रकाशित करें।

धोनी ने गेंदबाजों को निखारा और कोहली को संपूर्ण पैकेज दिया: इशांत

चेन्नई। अनुभवी तेज गेंदबाज इशांत शर्मा का मानना है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने गेंदबाजों को निखारा और वह अपने उत्तराधिकारी विराट कोहली को 'संपूर्ण' गेंदबाजी पैकेज देकर गए। दो बार विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे धोनी ने 2007 से 2017 के बीच भारत की सीमित ओवरों की टीम की अगुआई की जबकि वह 2008 से 2014 तक टेस्ट टीम के कप्तान भी रहे। उन्होंने इसके बाद टीम की कमान कोहली को सौंपी।

धोनी की कप्तानी में मोहम्मद शमी, उमेश यादव, भुवनेश्वर और बुमराह जैसे गेंदबाजों ने पदार्पण किया। इशांत ने जियो सिनेमा पर कहा, 'विराट जब कप्तान थे तब गेंदबाजी पूर्ण थी। जब हम धोनी की कप्तानी में खेल रहे थे तो हम बदलाव के दौर से गुजर रहे थे। उसम समय शमी और उमेश नए थे और सिर्फ मैं मौजूद था। बाकी सभी को रोटेट किया जाता था। भूवी भी नया था। संवाद करने के मामले में माही भाई की कोई बराबरी नहीं है।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने गेंदबाजों को निखारा और विराट के लिए छोड़कर गए। शमी और उमेश समय के साथ अलग तरह के गेंदबाज बने और फिर जसप्रीत आया। इसलिए उसे संपूर्ण पैकेज मिला।' कप्तान कोहली हर किसी के गुण पहचान लेते थे। इशांत ने कहा, सबसे अच्छी बात जो उन्होंने की वह यह थी कि वे हर किसी के गुणों को पहचानते थे, वह एक व्यक्ति के साथ एक चीज के बारे में बात करते थे। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि कैसे कोहली ने समूह में प्रत्येक तेज गेंदबाज के लिए भूमिकाएं निर्धारित की थी और सभी को अलग-अलग सलाह देंगे जिससे उन्हें निखरने का मौका मिला, खासकर लाल गेंद के क्रिकेट में।

कावेरी मुद्दे पर कर्नाटक के हितों की रक्षा की जाएगी : उपमुख्यमंत्री शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कावेरी विवाद पर बात करते हुए उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि कावेरी मुद्दे पर कर्नाटक के हितों की रक्षा की जाएगी। मैसूरु में पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि कावेरी विवाद पर सुप्रीम कोर्ट जल्द ही अपना फैसला सुनाने वाला है और वह फैसले के बाद प्रतिक्रिया देंगे।

कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण (सीडब्ल्यूडीटी) ने तमिलनाडु को 15 दिनों तक हर दिन 5 टीएमसी पानी छोड़ने का आदेश दिया है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके. शिवकुमार ने कहा था कि आदेश अंतिम नहीं है। इस मुद्दे पर कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

सीडब्ल्यूडीटी ने इससे पहले सोमवार को अपना आदेश पारित किया था। गारंटी योजनाओं के बारे में बात करते हुए शिवकुमार ने कहा कि 'नाड देवता' चामुंडेश्वरी के आशीर्वाद से सरकार गारंटी योजनाओं को लागू करने में सफल रही।

शिवकुमार ने बताया कि चुनाव से पहले हमने देवता के सामने गारंटी कार्ड रखे थे और प्रार्थना की थी। उन्होंने कहा कि गृह लक्ष्मी योजना 1.10 करोड़ महिलाओं तक पहुंचने वाली है। गृह ज्योति योजना 1.41 करोड़ परिवारों तक पहुंची है और उन्हें शून्य बिजली बिल मिला है। 46 करोड़ महिलाओं ने बसों में स्वतंत्र रूप से यात्रा की है। वहीं 1.39 करोड़ परिवार मुफ्त चावल कार्यक्रम से लाभान्वित हुए हैं।

शिवकुमार ने कहा कि देवी ने हमें इन योजनाओं को वितरित करने के लिए सशक्त बनाया है। मैसूरु क्षेत्र के लोगों ने सरकार का समर्थन किया है। गृह लक्ष्मी कार्यक्रम का 12,600 स्थानों पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

सिद्दरामैया सरकार के 100 दिन पूरे : भाजपा के पास आरोप पत्र पेश करने का नैतिक अधिकार नहीं : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक सरकार के 100 दिन पूरे होने पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके. शिवकुमार ने मंगलवार को मैसूरु में 'नाड देवता' (राज्य देवी) चामुंडेश्वरी की विशेष पूजा की। अपने और मुख्यमंत्री के बीच मतभेदों पर एक सवाल का जवाब देते हुए शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा कि उन्हें टिप्पणियां करते रहने दीजिए। आप हमें साथ देखते रहेंगे। सिद्दरामैया ने कहा कि उनके (विपक्ष) इस बारे में बात करना शुरू करने के बाद से उनके बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। दोनों नेताओं ने कैबिनेट मंत्रियों के साथ चामुंडी पहाड़ियों के ऊपर स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर के दर्शन किए।

सिद्दरामैया ने संवाददाताओं से कहा कि वह शिवकुमार के साथ विधानसभा चुनाव से एक दिन पहले 9 मई को भगवान के दर्शन करने आए थे। हम विजयी हुए और बुधवार को प्रमुख गारंटी योजनाओं में से एक 'गृह लक्ष्मी' को लागू कर रहे हैं। योजना के तहत परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये मासिक भत्ता मिलेगा। इससे महंगाई और महंगे खाद्यान्न के दौर में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महंगाई रोकने में विफल रही है, इसलिए आम परिवारों, किसानों और अन्य समूहों की मदद के लिए कदम उठाए गए हैं।

सिद्दरामैया ने दावा किया कि यह योजना किसी भी देश और राज्य में लागू किया गया सबसे बड़ा कार्यक्रम है। इसमें 1.10 करोड़ महिला परिवार की मुखियाओं को हर महीने 2,000 रुपये मिलेंगे। स्वस्थ अर्थव्यवस्था के लिए गरीबों की जेब में पैसा होना जरूरी है। इसीलिए गृह ज्योति (मुफ्त बिजली), अन्न भाग्य (मुफ्त चावल) और शक्ति (महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा) पहले से ही चल रही हैं और गृह लक्ष्मी योजना का उद्घाटन किया जाएगा।

सिद्दरामैया ने कहा कि हमारी सरकार ने 100 दिन पूरे कर लिए हैं। इसी उपलक्ष्य में यह नेक कार्य किया जा रहा है। इस देश में किसी अन्य कार्यक्रम या योजना पर इतना पैसा खर्च नहीं किया जाता। किसी भी राज्य के पास ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं है। हम 1.10 करोड़ लाभार्थियों के लिए धन वितरित कर रहे हैं। उनके खातों में 2,000 रुपये जमा किए जाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या गारंटी योजनाओं को 100 दिनों में लागू करना एक चुनौती थी, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चुनौती का सवाल नहीं है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास राजनीतिक इच्छाशक्ति है। राजस्थान में बीजेपी और यहां तक कि पीएम मोदी ने दावा किया कि मुफ्त कार्यक्रमों से राज्य दिवालिया हो जाएगा। हम चुनाव घोषणा पत्र में दी गई सभी पांच गारंटी और 76 अन्य आश्वासन लागू करेंगे। भाजपा द्वारा कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप पत्र पेश करने के सवाल पर सिद्दरामैया ने कहा कि भगवा पार्टी के पास कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि वे चार साल तक सत्ता में थे और कुछ नहीं किया। वे हमारे खिलाफ क्या आरोप पत्र बनाएंगे? उनके सभी घोटालों की जांच न्यायिक आयोग को सौंप दी गई है।

पीएसआई भर्ती घोटाले की जांच सेवानिवृत्त न्यायाधीश बी. वीरप्पा समिति द्वारा की गई है।

सुविचार

हम खुद को बरगद बनाकर ज़माने भर को छाँव बांटते रहे, मेरे अपने ही हर दिन मुझको थोड़ा-थोड़ा काटते रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भाई की कलाई पर स्वदेशी राखी

प्राय: यह माना जाता है कि सरकारी स्तर पर जो नारे दिए जाते हैं, उनका धरातल पर असर दिखने में काफी समय लगता है। ऐसा भी होता है कि सरकार ने किसी बड़े उद्देश्य के लिए कोई पहल की, लेकिन वह निर्धारित अवधि में भी खास बदलाव नहीं ला पाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान किया था तो ऐसी चर्चा थी कि ये बातें भी नारों की हद तक सीमित रह जाएंगी, क्योंकि बाजार में चीनी माल का काफी दबदबा है। हालांकि यह प्रसन्नता का विषय है कि ये अपीलें अब अपना असर दिखाने लगी हैं। पहले जहां रक्षाबंधन के अवसर पर बाजार में चीनी राखियां छाई रहती थीं, अब भारत में निर्मित राखियों का जलवा है। इससे दुकानदार और ग्राहक, दोनों खुश हैं। जब हर भाई की कलाई पर देश में बनी राखी सुशोभित होगी तो इससे हमारी अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा। मुद्रा का प्रवाह उन भारतीय परिवारों तक होगा, जो राखियां बनाने और बेचने के कार्य में संलग्न हैं। उन्हें रोजगार मिलेगा। जब चीन से राखियां आती हैं तो विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा ड्रैगन के खजाने में जाता है। यह सर्वविदित है कि चीन उस धन का इस्तेमाल भारत–विरोधी कृत्यों को हवा देने के लिए भी करता है। उसके खजाने से पाकिस्तान को सहायता भेजी जाती है, जिसके आतंकवादी हमारे सैनिकों पर गोलीबारी करते हैं। ऐसे में यह कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत से निकलकर चीन के पास जाने वाला रुपया हमारी ओर खंजर बनकर लौटता है। चीनी माल के प्रति भारतवासियों में यह जागरूकता कैसे आई? निस्संदेह इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है, जिन्होंने विभिन्न अवसरों पर स्वदेशी की अवधारणा को बल दिया। इसके अलावा सोशल मीडिया ने इसमें बड़ा किरदार निभाया है।

आज किसी भी त्योहार से पखवाड़े भर पहले सोशल मीडिया समूहों में ऐसे संदेश आने शुरू हो जाते हैं, जिनमें चीनी माल से दूर रहने और स्वदेशी को अपनाने की अपील की जाती है। प्राय: होली पर चीनी पिचकारी, दीपावली पर चीनी झालर, चीनी उपकरण, रक्षाबंधन पर चीनी राखियों ... के स्थान पर भारतीय चीजें खरीदने की इन अपीलों का यह कहते हुए मजाक भी उड़ाया जाता है कि बहिष्कार करके क्या हासिल हो जाएगा, क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्था तो बहुत बड़ी है! यह 'तर्क' देने वाले भूल जाते हैं कि महात्मा गांधी ने विदेशी माल का बहिष्कार कर उस अंग्रेजी साम्राज्य को हिला दिया था, जिसके बारे में मशहूर था कि उनके राज में सूरज नहीं डूबता। जब स्वदेशी को बढ़ावा देने वाले ये संदेश आम लोगों तक पहुंचते हैं तो इनका गहरा असर होता है। खासतौर से गलवान भिड़ंत के बाद लोगों में यह धारणा मजबूत हो गई है कि जहां तक संभव हो, अपनी जेब से चीन के खजाने में एक रुपया तक न डालें। निस्संदेह आज भी लोग चीनी माल खरीदते हैं, लेकिन अब स्वदेशी को बढ़ावा देने की भावना बलवती हो रही है। लोग अपनी जड़ों से जुड़ रहे हैं। अब दीपावली पर मिट्टी के दीपक खरीदने की अपील की जाती है। कई लोग तो ज्यादा संख्या में दीपक खरीदकर आसपास बांटते हैं। चीनी माल के बारे में कहा जाता है कि यह तुलनात्मक रूप से सस्ता होता है, इसलिए लोग उसे खरीदना चाहते हैं। लिहाजा दुकानदार भी वही माल रखता है, जिसकी मांग ज्यादा हो। अगर ग्राहक ही यह मांग करने लगें कि उन्हें चीनी माल के बजाय भारतीय माल खरीदना है तो दुकानदार उसी के अनुरूप सामान रखेगा। अभी यह बदलाव भले ही छोटा लगे, लेकिन समय के साथ इसका असर और गहरा होता जाएगा। हमें चीन पर निर्भरता को कम से कम करते हुए आत्मनिर्भर बनना है। यह तभी संभव है, जब स्वदेशी वस्तुओं का अधिक उत्पादन हो, उनकी गुणवत्ता सुधरे और विश्व के बाजारों में उनका दबदबा बढ़े। चीन की चुनौती का सामना करने की जिम्मेदारी सिर्फ सैनिकों की नहीं है। हर भारतीय को इसका सामना करना होगा और राष्ट्रीय हित के साथ दृढ़ता से खड़े रहना होगा।

ट्वीटर टॉक

रक्षाबंधन का पर्व अपने परिवार में खुशियां बढ़ाने का दिन होता है। गैस की कीमतों में कटौती होने से मेरे परिवार की बहनों की सहूलियत बढ़ेगी और उनका जीवन और आसान होगा। मेरी हर बहन खुश रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहे, ईश्वर से यही कामना है।

–नरेन्द्र मोदी

भरतपुर जिले के कैथवाड़ा इलाके में कंटेनर और ट्रैक्टर ट्रॉली के बीच टक्कर से हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों के मृत्यु की खबर दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करें।

–दिया कुमारी

पृथ्वी पर प्राकृतिक संसाधन सीमित है, जिनका संरक्षण एवं संवर्धन हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। अत: हमारे जल, जंगल और जमीन को हरा भरा रखने के प्रण में भागीदारी निभाएं। आज 29 अगस्त, 2023 को पिपलांत्री पर्यावरण महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

–वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

आदर्शों की दिव्यता

एक अमेरिकी पत्रकार वेब मिलर ने 'मुझे शांति नहीं मिली' नामक एक पुस्तक लिखी थी। पुस्तक में गांधी जी का एक सुंदर संस्मरण है। सन 1931 में गोलमेज कॉन्फ्रेंस में वेब मिलर गांधी जी से मिलने आए। गांधी जी के उच्च आदर्श से प्रभावित वेब मिलर ने गांधी जी से हस्ताक्षर लेने हेतु एक सिगरेट का डिब्बा आगे बढ़ाया। उस डिब्बे पर और भी अमेरिकी प्रख्यात व्यक्तियों के हस्ताक्षर थे। गांधी जी ने डिब्बे को हाथ में लेकर हंसते हुए कहा, 'मैं इस सिगरेट के डिब्बे पर अपने हस्ताक्षर देकर अपने विचार को धूम्रपान और तंबाकू से नहीं ढकना चाहता। अगर आप वायदा करें कि इस डिब्बे में कभी भी सिगरेट नहीं रखी जाएगी तो मैं हस्ताक्षर दे सकता हूं।' वेब मिलर के ऐसा ही वायदा करने पर गांधी जी ने हस्ताक्षर दे दिए। तब से वेब मिलर ने इस डिब्बे में विजिटिंग कार्ड रखने प्रारम्भ किये। वेब मिलर लिखते हैं कि इस डिब्बे पर अमेरिका के अनेक प्रसिद्ध व्यक्तियों के हस्ताक्षर हैं, परंतु गांधी जी के हस्ताक्षर अत्यंत स्वच्छ, स्पष्ट और प्रभावशाली लगते हैं। उच्चादर्श हर जगह अपनी दिव्यता प्रकट करता है।

सामयिक

रक्षाबंधन : महकती रहें ये राखियां सदा

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041

रक्षाबंधन का पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मर्यादा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई–बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। रक्षाबंधन पर्व इस वर्ष 30 अगस्त को मनाया जा रहा है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई–बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में 'गुरु महापूर्णिमा', दक्षिण भारत में 'नारियल पूर्णिमा' तथा नेपाल में इसे 'जनेऊ पूर्णिमा' के नाम से जाना जाता है।

रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार–बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया।

चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ–साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी। उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है।

समय के साथ–साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़ भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये–पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन–देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई–बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे–धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई–बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

सीख

चींटियां देती हैं कई सीख

चींटियों की दुनिया में नर चींटियों की भूमिका बहुत–थोड़ी होती है। उनका जीवन काल भी थोड़े ही समय का होता है। नर मानसून के तुरंत बाद पैदा होते हैं। वे पंखों वाले होते हैं। उनका सिर्फ एक काम होता है, मादा चींटियों को अंडा देने योग्य बनाना। इसके बाद उनकी मृत्यु हो जाती है। रानी चींटी अपना संसार चलाती हैं चींटियों का धरती से बहुत पुराना रिश्ता है। वे धरती के नीचे घर बनाकर रहती हैं। जमीन के भीतर स्थित घर में बड़े–बड़े कक्ष एक–दूसरे से सुरंगों के माध्यम से जुड़े रहते हैं। हर बस्ती में तीन प्रकार की चींटियां होती हैं। वे हैं– रानी चींटी, नर चींटी और मजदूर चींटी। रानी चींटी शक्तिशाली होती है। उसी का आदेश चलता है। रानी चींटी का मुख्य कार्य हजारों की संख्या में अंडे देना होता है। रानी द्वारा पहली बार जो अंडे दिये जाते हैं, उनसे निकलती हैं श्रमिक चींटियां। ये रानी की देखभाल करती हैं। ये घर के रखरखाव की सारी जिम्मेदारी अपने ऊपर ले लेती हैं। श्रमिक चींटियां भोज्य पदार्थो में से सबसे स्वादिष्ट टुकड़े रानी को खिलाती हैं। सभी श्रमिक चींटियां मादाएं होती हैं फिर भी उनमें प्रजनन की क्षमता नहीं होती। श्रमिक चींटियां भोजन की तलाश करती हैं और नन्हीं चींटियों की देखभाल करती हैं। अंडों से निकली नन्हीं चींटियों के पैर विकसित नहीं होते और वे कीड़े के समान लगती हैं। वे हिलडुल नहीं सकतीं। उन्हें श्रमिक चींटियों द्वारा तब तक खिलाया जाता है जब तक वे पूरी तरह से विकसित न हो जाएं। दुनियाभर में चींटियों की लगभग चौदह हजार जातियां पायी जाती हैं। ये दुनिया के हर कोने में रहती हैं, चाहे गर्म देश हो या ठंडे। केवल ध्रुवीय प्रदेशों और पर्वतों की ऊंची चोटियां, जो सदा बर्फ से ढकी रहती हैं वहां पर चींटियां नहीं होतीं। चींटियों की एक मिलीमीटर से लेकर चार सेंटीमीटर तक लं बाई होती हैं। जिन चींटियों को हम सबसे अधिक पहचानते हैं, उनमें हैं काली चींटी, मकोड़ा पेड़ों पर रहने वाली लाल चींटी, जो काटने के लिए मशहूर हैं और छोटी काली चींटी जो गुड़–बताशे जैसी मीठी चीजों की ओर आकर्षित होती हैं। अमेरिका के रेगिस्तान में पायी जाने वाली बड़े आकार की चींटियां अपना पेट एक सेंटीमीटर तक फुला लेती हैं। इसे मधुकलश चींटी कहते हैं। ये चींटी अपने वजन से नौ गुना अधिक वजन के मधु को अपने पेट में जमाकर लेती हैं। वृक्षों पर रहने वाली लाल चींटियां टहनियों पर बड़े–बड़े घोंसले बनाती हैं। कुछ चींटियां घोंसला बनाकर नहीं रहतीं बल्कि हमेशा एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकती रहती हैं। इन्हें फौजी चींटी कहते हैं। ये विशाल टुकड़ी में चलती हैं। एक टुकड़ी में एक करोड़ तक चींटियां हो सकती हैं। रास्ते में जो कुछ मिलता है, चट करती जाती हैं। इस प्रकार की चींटियां दक्षिणी अमेरिका और अफ्रीका में पायी जाती हैं। फौजी चींटियां मांसाहारी होती हैं। जो भी प्राणी इनकी पकड़ में आ जाए, उसे वे खा जाती हैं। उनकी एक टुकड़ी ने एक बार तीन बकरों को दो दिनों में चटकर लिया था। 'इन्सेक्टस ऑफ द वर्ल्ड' पुस्तक में लिखा है कि सन 1972 में इन चींटियों की एक सेना ब्राजील के एक छोटे कस्बे में घुस गयी और अनेक लोगों को खा गयी। इन बदकिस्मत लोगों में उस कस्बे का पुलिस अधीक्षक भी शामिल था। सामूहिक प्राणी होने के कारण चींटियां सभी कार्य बांटकर करती हैं। उन्हें जो भी खाद्य पदार्थ मिलता है, उन्हें वे अपने बसेरे में लातीं और सब चींटियां मिलकर खाती हैं। इस व्यवहार के कारण समुदाय बिखर नहीं पाता। एक समुदाय में पांच लाख तक चींटियां हो सकती हैं। चींटियों का सामूहिक बसेरा अनेक प्रकार का होता है। हम चींटियों को नजरअंदाज करते हैं, उन्हें तुच्छ समझते हैं, पैरों तले कुचलते हैं। लेकिन चींटी बहुत ही मेहनती जीव हैं जो आपस में प्रेम से रहती हैं। उनके जीवन में अद्भुत एकता की भावना पायी जाती है। उनसे हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। चींटियों की दुनिया में नर चींटियों की भूमिका बहुत थोड़ी होती है। उनका जीवन काल भी थोड़े ही समय का होता है। नर मानसून के तुरंत बाद पैदा होते हैं। वे पंखों वाले होते हैं। उनका सिर्फ एक काम होता है मादा चींटियों को अंडे देने योग्य बना देना। इसके बाद उनकी मृत्यु हो जाती है। चींटी अपना संसार चलाती रहती हैं।

– संकलन : विभूति बुपक्या, खाचरोद

चिंतन

प्लास्टिक कचरे के प्रति जाग्रत हो समाज

सुरेश हिन्दुस्थानी

मोबाइल : 9770015780

वर्तमान में प्लास्टिक कचरा बढ़ने से जिस प्रकार से प्राकृतिक हवाओं में प्रदूषण बढ़ रहा है, वह मानव जीवन के लिए तो अहितकर है ही, साथ ही हमारे स्वच्छ पर्यावरण के लिए भी विपरीत स्थितियां पैदा कर रहा है। हालांकि इसके लिए समय–समय पर सरकार और सरकारी सहयोग लेकर चलने वाली गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा जागरण अभियान भी चलाए जा रहे हैं, परंतु परिणाम उस गति से मिलता दिखाई नहीं देता। ऐसे में प्रश्न यह आता है कि गैर सरकारी संस्थाओं के यह अभियान अपेक्षित परिणाम क्यों नहीं दे पा रहे हैं। जबकि कागजी प्रमाण इसकी सफलता बता रहे हैं। इसका मुख्य कारण यह भी लगता है कि भारत में कागजों में काम होने की बीमारी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में कहा जा सकता है कि प्लास्टिक मुक्ति का अभियान गैर सरकारी संस्थाओं ने बलि चढ़ा दिया। अगर प्लास्टिक प्रदूषण बढ़ने की यही गति बरकरार रही तो एक दिन हमें शुद्ध हवा से वंचित होना पड़ सकता है। एक बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्लास्टिक प्रदूषण की भयावहता का संकेत करते हुए देश से आहवान किया है कि इसकी रोकथाम के लिए समाज को आगे आना होगा। प्रधानमंत्री की चिंता वास्तव में समाज की भलाई के लिए है। हम प्रधानमंत्री के बयान की गंभीरता को समझें, और अपने कर्तव्य पथ पर अभी अग्रसर होने का व्रत लें। नहीं तो आने वाला समय बहुत ही खतरनाक साबित हो सकता है। कोई भी सरकारी योजना तभी सफल हो सकती है जब उसमें जनता की सकारात्मक भागीदारी होती है। कहा जाता है कि जिस देश की जनता अपने देश के प्रति जागरूक रहती है, वह देश और समाज लगातार प्रगति पथ पर गमन करता है। आम समाज सरकार की योजनाओं का ही ठीक तरीके से पालन कर ले, तो भी एक सुखद परिवर्तन का वातावरण बनने लगेगा। जो मानव समाज के लिए भी हितकर होगा।

हम जानते हैं कि वर्तमान में प्लास्टिक के कारण हो रहे वायु प्रदूषण के चलते हमारे शरीर में कई प्रकार के विषैले कीटाणु प्रवेश कर रहे हैं, जो हमारे स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डाल रहे हैं और नई–नई बीमारियां जन्म ले रही हैं। यह भी एक बड़ा सच है कि भारत में कई बीमारियां केवल गंदगी के कारण हो रही हैं, चाहे वह प्लास्टिक कचरे से उत्पन्न गंदगी हो या फिर इसके कारण जाम नालियों के गंदे पानी से प्रदूषण से पैदा होने वाली गंदगी हो। हम यह भी जानते हैं कि प्लास्टिक की पॉलीथिन में बहुत से लोग घर का कचरा भरकर बाहर फैंक रहे हैं, जिसे हमारी गौमाता खाती है और हम जाने–अनजाने में गौहत्या का पाप कर रहे हैं। इसके साथ ही बहुत बड़ा सच यह भी है कि प्लास्टिक पॉलीथिन और खाद्य सामग्री में उपयोग आने वाले प्लास्टिक के सामान रासायनिक पदार्थों के इस्तेमाल के कारण हमें जहर भरे खाना खाने के लिए विवश कर रहे हैं। इसके कारण हमारा स्वास्थ्य बिगड़ता जा रहा है। हालांकि हमारे देश में स्वच्छ भारत अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन क्या हम जानते हैं कि प्लास्टिक कचरा स्वच्छ भारत अभियान की दिशा में बहुत बड़ा अवरोधक बनकर सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संकल्पना अपने भारत देश को साफ सुथरा रखने का एक अभिनव प्रयास है।

प्लास्टिक कचरे से मुक्ति पाने के लिए केन्द्र सरकार ने एक सराहनीय कदम उठाया है। हालांकि कई स्थानों पर इस पर पूरी तरह से प्रतिबंध भी लगा है और व्यक्ति भी इस प्रतिबंध का पालन गंभीरता से कर रहे हैं। यहां तक कि कई विवाह समारोह और अन्य कार्यक्रमों में भी अब प्लास्टिक से निर्मित सामग्री और खाद्य पदार्थों के लिए उपयोग में लाई जाने वाली डिस्पोजल वस्तुओं पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। सरकार का यह कदम सभी राज्य और जनता के लिए एक पाथेय है। प्लास्टिक कचरे के बारे में यह सबसे बड़ा सच है कि यह वास्तव में आयातित कचरा है। हमारे देश में बहुत पहले से कागज और कपड़े के बैग ही प्रचलन में रहते थे, लेकिन विदेशियों की नकल करने के कारण हम भी प्लास्टिक का उपयोग करने की ओर प्रवृत होते चले गए। यही प्रवृति आज हमारे देश की सबसे विकराल समस्या बनकर उभर रही है। हमने एक कहावत भी सुनी है कि अपना काम बनता भाड़ में जाए जनता, यह सोच किसी प्रकार से भारतीय संस्कृति का संवाहक नहीं हो सकता। यह सोच विदेशों की नकल है। आज प्लास्टिक कचरे का उपयोग भी कुछ इसी तर्ज पर किया जा रहा है। लोग अपना काम बनाने के लिए प्लास्टिक के सामानों का प्रयोग कर रहे हैं, और बाद में यही सामान कचरा बन जाता है, जो जनता के लिए गंभीर समस्याओं को पैदा कर रहा है। कचरा फैंकने वाले लोगों को इतना नहीं मालूम कि यह कचरा हमारे लिए भी समस्या बन रहा है। देश के लिए गंभीर स्थिति पैदा कर रहा है। इसे रोकने के लिए क्या सरकार के कदम उठाने मात्र से यह सफल हो सकेगा। इसके लिए जनता की भागीदारी भी बहुत मायने रखती है। वास्तव में जिस देश की जनता अपने देश के प्रति तादात्म्य स्थापित करते हुए कार्य करती है, वह देश बहुत सुंदर और स्वच्छ होता है। हम भारत देश के निवासी हैं। इसलिए हमारे आचरण और कार्य में भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन होना चाहिए। देश में वातावरणीय समस्याओं का प्रादुर्भाव हमारी अपनी देन है, जो जाने या अनजाने में हमने ही पैदा की हैं। स्वच्छ हवा प्रदान करने वाले पेड़ पौधे भी प्रदूषित वातावरण का शिकार हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में हमें ताजी हवा कैसे मिल सकती है। हमें चैतन्य शक्ति का जागरण करके देश को स्वच्छ वातावरण देने के लिए प्लास्टिक कचरे से मुक्ति पाना है। अगर हम ऐसा कर सके तो यह तय है कि हमारा देश फिर से तरो ताजा हवा प्रदान करने वाला देश बन जाएगा। इसके लिए सरकार की योजना में हमें भी पूरी तरह से सहभागी बनना होगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

खरीददारी

श्रीनगर में मंगलवार को रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर लोग राखियां खरीदते हुए।

किम ने 'उ.कोरिया पर आक्रमण की साजिश' नाकाम करने के लिए सेना से तैयार रहने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने अपनी सेना से देश पर आक्रमण होने की स्थिति में प्रतिद्वंद्वी देशों की साजिशों को नाकाम करने के लिए हमेशा तैयार रहने को कहा है। उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

किम का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने उत्तर कोरिया की ओर से बढ़ते परमाणु खतरों से निपटने के लिए त्रिपक्षीय नौसैन्य अभ्यास किया। इसके अलावा, अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाएं पिछले सप्ताह से ग्रीष्मकालीन द्विपक्षीय अभ्यास कर रही हैं।

उत्तर कोरिया अमेरिका की संलिप्तता वाले इस प्रशिक्षण को आक्रमण का अभ्यास करार देता रहा है, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगियों का कहना है कि इन अभ्यासों की प्रकृति रक्षात्मक है।

सरकारी समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' के अनुसार, किम ने सोमवार को देश के नौसैन्य दिवस पर कहा कि अमेरिकी नेतृत्व वाली शत्रुता के कारण कोरियाई प्रायद्वीप का जल क्षेत्र परमाणु युद्ध के खतरे के कारण अस्थिर हो गया है।

किम ने अमेरिका के अपने सहयोगियों के साथ मिलकर अभ्यास करने, कोरियाई प्रायद्वीप के पास जलक्षेत्र में अधिक शक्तिशाली अमेरिकी हथियार उपकरणों की तैनाती और हालिया अमेरिका-दक्षिण कोरिया-जापान शिखर सम्मेलन का जिक्र किया। इस सम्मेलन में उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम से निपटने के लिए रक्षा सहयोग को मजबूत करने पर समझौता किया गया।

किम ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को तीन देशों के गिरोह आका करार दिया। उन्होंने कहा, मौजूदा परिस्थिति में हमारी नौसेना को युद्ध होने की स्थिति में पूरी तरह तैयार रहने के लिए अपने सभी प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि निरंतर सतर्कता बरकरार रखी जा सके और किसी भी आकस्मिक स्थिति में युद्ध को लेकर दुश्मन के मनोबल को तोड़ने के लिए तैयार रहा जा सके।

दक्षिण कोरिया की नौसेना ने एक बयान में बताया कि दक्षिणी जेजू द्वीप के अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में मंगलवार को दक्षिण कोरियाई-अमेरिकी-जापानी अभ्यास में तीनों देशों के नौसैन्य विध्वंसक शामिल हुए। उसने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य भविष्य में उत्तर कोरियाई मिसाइलों का पता लगाने, उन पर नजर रखने और जानकारी साझा करने की प्रक्रियाओं का अभ्यास करना था। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच 11 दिवसीय द्विपक्षीय अभ्यास 21 अगस्त से शुरू हुआ था। उत्तर कोरिया अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों के जवाब में स्वयं मिसाइल परीक्षण करता रहा है। अंतरिक्ष में एक जासूसी उपग्रह का उसका प्रक्षेपण पिछले बृहस्पतिवार को असफल रहा था।

छड़ी मुबारक

श्रीनगर में मंगलवार को छड़ी मुबारक शेषनाग पहुंची और झील के तट पर पूजन किया गया। छड़ी मुबारक कल सुबह पंजतरणी के लिए रवाना होगी और मंगलवार को अमरनाथ में पवित्र गुफा मंदिर पहुंचेगी।

एसजीपीसी ने अभिनेता मिजान जाफरी के 'कृपाण' पहने जाने पर कड़ी आपत्ति जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़,/भाषा। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक इकाई 'शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति' (एसजीपीसी) ने आगामी फिल्म यारियां-2 के एक गीत में अभिनेता मिजान जाफरी के 'कृपाण' पहनने पर कड़ी आपत्ति जताई है और फिल्म निर्माताओं को चेतावनी दी है कि अगर इस आपत्तिजनक वीडियो को हटाया नहीं गया तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, फिल्म निर्देशकों ने दावा किया है कि अभिनेता ने 'खुकरी' (एक प्रकार का चाकू) पहना हुआ है न कि 'कृपाण' और उनका किसी भी धर्म का अपमान करने का कोई इरादा नहीं है। अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने एसजीपीसी को इस मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया है। एसजीपीसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में टवीटर) पर कहा, हम राधिका राव और विनय सप्रू के निर्देशन वाली फिल्म 'यारियां-2' के गीत 'सौरे घर' में फिल्माए गए इन दृश्यों पर कड़ी आपत्ति जताते हैं जिसमें अभिनेता अत्यधिक आपत्तिजनक तरीके से 'कृपाण' (सिख धर्म का प्रतीक) पहने हुए नजर आ रहे हैं और इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उसने कहा, इसने दुनियाभर में सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को काफी ठेस पहुंचाई है। अकाल तख्त साहिब की सिख आचार संहिता तथा भारत के संविधान द्वारा दिए अधिकार के अनुसार केवल दीक्षा पा चुके सिख को ही 'कृपाण' पहनने का अधिकार है। एसजीपीसी ने कहा कि वह इस मामले को सरकार के समक्ष उठाएगी। उसने कहा, यह वीडियो गीत टी सीरीज के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है जिसे तत्काल प्रभाव से हटाया जाए।

माली से करीब 13,000 शांतिरक्षकों की छह महीने में वापसी चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है: संयुक्त राष्ट्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने माली के सैन्य जुंटा के आदेश पर देश से शांतिरक्षकों की छह महीने में वापसी सुनिश्चित करने की प्रक्रिया को चुनौतीपूर्ण करार देते हुए कहा है कि इसकी समय सीमा, दायरा और जटिलता अप्रत्याशित है। पश्चिम अफ्रीकी देश माली के सैन्य जुंटा ने इस्लामी आतंकवाद से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों के बजाय रूस के वैगनर समूह के भाड़े के सैनिकों की मदद लेने का फैसला किया है।

माली के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत एल-घासिम वेन ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को इस अभियान के पैमाने से अवगत कराया। इस निकासी अभियान के तहत 31 दिसंबर की समय सीमा तक 1,786 असैन्य कर्मियों की सेवाएं समाप्त की जानी है, सभी 12,947 संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षकों और पुलिसकर्मियों को उनके देश भेजा जाना है, उनके 12 शिविर एवं एक स्थाई अड्डे को सरकार को सौंपा जाना है।संयुक्त राष्ट्र में माली के राजदूत इस्सा कोनफौरो ने कहा कि सरकार संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के साथ सहयोग कर रही है, लेकिन वह समय सीमा नहीं बढ़ाएगी। माली में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन को 'एमआईएनयूएसएमए' के नाम से जाना जाता है। वेन ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र को उपकरणों के लगभग 5,500 समुद्री कंटेनर और 4,000 वाहनों को भी हटाना होगा। ये उपकरण एवं वाहन संयुक्त राष्ट्र और उन देशों के हैं, जिन्होंने 'एमआईएनयूएसएसए' के लिए कर्मी मुहैया कराए हैं। माली में शांतिरक्षा मिशन संयुक्त राज्य के एक दर्जन अभियानों में से चौथा सबसे बड़ा मिशन है।

सात दिसंबर को रिलीज होगी 'द आर्चीज'

मुंबई/भाषा

अमेरिका की मशहूर कॉमिक पुस्तक श्रृंखला ''द आर्चीज'' पर आधारित इसी नाम से जोया अख्तर के निर्देशन वाली लाइव-एक्शन फिल्म सात दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'द आर्चीज' से सुपरस्टार शाहरुख खान और गौरी खान की बेटी सुहाना खान, श्रीदेवी और फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर और मेगास्टार अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा अभिनय के क्षेत्र में पदार्पण कर रहे हैं। फिल्म निर्माताओं के अनुसार, 1960 के दशक की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म आर्ची, बेट्टी, वेरोनिका, जगहेड, रेगी, एथेल और डिल्टन की जिंदगियों के जरिए दोस्ती, आजादी, प्यार, तकरार और विद्रोह को दिखाती है। यह दर्शकों को काल्पनिक पर्वतीय शहर रिवरडेल की सैर कराएगी। फिल्म के कलाकारों ने मुंबई के पश्चिमी द्रुतगति महामार्ग (वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे) पर एक 'लाइव बिलबोर्ड' के जरिए जोया अख्तर के साथ इसकी रिलीज की तारीख की घोषणा की। बिलबोर्ड में नेटफ्लिक्स पर फिल्म के रिलीज होने में बचे दिनों के लिए उल्टी गिनती शुरू की गयी है। अख्तर ने फिल्म निर्माता रीमा कागती और आयशा देवित्रे के साथ मिलकर इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। 'द आर्चीज' का प्रोडक्शन नेटफ्लिक्स इंडिया, अख्तर और कागती के टाइगर बेबी, आर्ची कॉमिक्स और ग्राफिक इंडिया ने किया है।

कंगना रनौत ने 'चंद्रमुखी-2' को बताया 'पैसा वसूल' एंटरटेनर फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस कंगना रनौत ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'चंद्रमुखी 2' को पैसा वसूल फिल्म करार दिया। 'थलाइवी' (2020) में तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता का किरदार निभाने के बाद एक्ट्रेस पी. वासु निर्देशित 'चंद्रमुखी 2' के साथ तमिल स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। फिल्म में वह एक डांसर की भूमिका में हैं, जो अपनी सुंदरता और बेजोड़ डांसिंग स्किल के लिए जानी जाती है। 'चंद्रमुखी 2' एक कमर्शियल एंटरटेनर फिल्म है। यह पॉपुलर कल्चर की

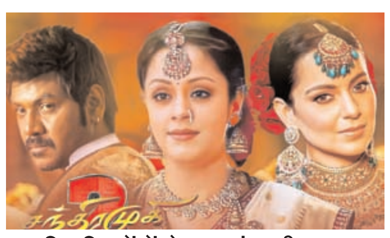

सुपरहिट फिल्मों में से एक 'चंद्रमुखी' का अगला सीक्वल है, जिसकी कई भारतीय भाषाओं में कई रीमेक बन चुकी है। 'चंद्रमुखी 2' में काम करने के बारे में बात करते हुए, कंगना ने कहा, मैं पैसा-वसूल एंटरटेनर फिल्म में बड़ा किरदार निभा रही हूं। यह शैलियों का मिश्रण है, फिल्म में थोड़ा एक्शन, कॉमेडी, हॉरर, रोमांस है। यह म्यूजिकल भी है। वास्तव में, यह पहली बार है कि मैं जीवन से भी बड़ा किरदार निभाते हुए किसी बड़े एंटरटेनर का हिस्सा बनी हूं। उन्होंने आगे कहा, मेरे निर्देशक पी. वासु मेरे इंस्पिरेशन रहे हैं। इस फिल्म पर काम करना मेरे जीवन के सबसे समृद्ध अनुभवों में से एक रहा है। 'चंद्रमुखी 2' 15 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इसके बाद एक्ट्रेस 'तेजस' में नजर आएंगी। यह वायुसेना पायलट तेजस गिल के जीवन पर आधारित है। उनके निर्देशन में बनी फिल्म 'इमरजेंसी' भी पाइपलाइन में है, जिसमें वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाएंगी।

शाहरुख ने 'नॉट रमैया वस्तावैया' में नयनतारा के साथ डांस फ्लोर पर मचाया धमाल

नई दिल्ली/एजेन्सी

'जवान' के ऑफिशियल ट्रेलर की रिलीज से कुछ ही दिन पहले, बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान ने हिंदी, तमिल और तेलुगु में 'नॉट रमैया वस्तावैया' गाने का फुल वर्जन जारी किया है। अपबीट डांस ट्रैक में किंग खान साउथ सुपरस्टार नयनतारा के साथ स्टेज पर धमाल मचाते नजर आ रहे हैं। इस गाने में बेहतरीन साउंड डिजाइन के साथ बूमिंग प्रोडक्शन है। इलेक्ट्रॉनिक, टेक्नो, फिल्म म्यूजिक, ईडीएम, थोड़ा सा लोक और आइटम नंबर्स का मिश्रण 'नॉट रमैया वस्तावैया' फ्लोर ट्रैक पर एक प्योर डांस है। शाहरुख खान को एक्ट्रेस नयनतारा और कुछ अन्य बैकअप डांसर्स के साथ फ्लोर पर नाचते हुए देखा जा सकता है। 'नॉट रमैया वस्तावैया' में राज कपूर की लीजेंडरी फिल्म 'श्री 420' के आइकॉनिक ट्रैक को मॉडर्न टच दिया गया है, लेकिन यह अभी भी अपनी खुद की यूनिट है और सिर्फ एक रीमिक्स होने के बजाय, इसका रीमेक पूरी तरह से कुछ और है। सभी स्वैग, ग्रूव और एटीट्यूड से भरपूर, शाहरुख खान एक परफेक्ट डांस ट्रैक लेकर आए हैं, जो लोगों को 'जवान' के ट्रेलर के लिए और अधिक उत्साहित कर रहा है।

फिल्म में काम करने को तैयार, बशर्ते अच्छी भूमिकाओं की पेशकश हो : हेमा मालिनी

नयी दिल्ली/भाषा

मशहूर अभिनेत्री हेमा मालिनी का कहना है कि शर्मिला टैगोर, जया बच्चन और पति धर्मेंद्र के दोबारा पर्दे पर आने के बाद वह भी फिल्मों में वापसी करना चाहेंगी, बशर्ते निर्माता उनके पास 'कुछ अच्छी भूमिकाएं' लेकर आएं। हेमा मालिनी की सबसे हालिया फिल्म शिमला मिर्ची थी, जो 2020 में रिलीज़ हुई थी। 2000 के दशक में, हेमा मालिनी ने बागबान, वीर-जारा, बाबुल और बुड्ढा... होगा तेरा बाप, जैसी हिट फिल्मों में अभिनय किया। इस सभी फिल्मों में हेमा मालिनी के साथ अभिनेता अमिताभ बच्चन भी थे। इस साल की शुरुआत में, शर्मिला टैगोर ने 13 साल के अंतराल के बाद डिज्नी-हॉटस्टार की फिल्म गुलमोहर के साथ अभिनय की दुनिया में वापसी की, जिसे समीक्षकों द्वारा काफी सराहना मिली। वहीं जया बच्चन और धर्मेंद्र ने साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में अभिनय किया।

मथुरा से दो बार की सांसद हेमा मालिनी काफी समय से फिल्मों से दूर हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने समकालीन कलाकारों की तरह और अभिनय भूमिकाएं निभाने की इच्छुक हैं, 74 वर्षीय अभिनेत्री हेमा मालिनी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं यह (फिल्में) करना चाहूंगी। यदि मुझे कुछ अच्छी भूमिकाएं मिलेंगी, तो निश्चित रूप से, क्यों नहीं? मैं चाहूंगी कि निर्माता आगे आएं और मुझे फिल्मों के लिए साइन करें। मैं तैयार हूं।'' अक्टूबर में फिल्म 'बागबान' अपनी रिलीज के 20 साल पूरे कर लेगी। रवि चोपड़ा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में हेमा मालिनी और अमिताभ बच्चन ने एक ऐसे दम्पति की भूमिका निभायी है जो अलग रहने के लिए मजबूर हो जाते हैं जब उनके बेटे दोनों की देखभाल करने से इनकार कर देते हैं। वर्ष 2003 की इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के साथ अभिनय को याद करते हुए हेमा मालिनी ने कहा कि वह चाहती थीं कि 'बागबान' के बाद उनके साथ और अधिक फिल्मों में काम करतीं। हेमा मालिनी और अभिताभ बच्चन की इस जोड़ी ने 1980 के दशक में सत्ते पे सत्ता, नसीब और नास्तिक जैसी फिल्मों में भी एकसाथ अभिनय किया था।

हेमा मालिनी ने कहा, ''काश हमने 'बागबान' के बाद कई और फिल्में एक साथ की होतीं लेकिन दुर्भाग्य से, ऐसा नहीं हुआ। (बच्चन के साथ) काम करना अद्भुत था।'' उन्होंने कहा, ''उस समय भी, मैंने कुछ वर्षों के अंतराल के बाद किसी फिल्म में अभिनय किया था, वह फिल्म 'बागबान' थी। इसलिए, मैं थोड़ा झिझक रही थी, लेकिन मैंने फिल्म की और, निश्चित रूप से, अमित जी और मैंने एकसाथ अच्छा काम किया।'' हेमा मालिनी एक निर्माता और निर्देशक भी हैं। उन्होंने कहा कि वह बॉक्स ऑफिस पर हिंदी फिल्मों की कामयाबी से खुश हैं। इस साल की सबसे बड़ी हिट फिल्मों जैसे कि शाहरुख खान की पठान और सनी देओल की गदर 2 का उदाहरण देते हुए हेमा मालिनी ने कहा, ''दर्शक फिल्में बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं। ओटीटी मंच टाइम पास के तौर पर पसंद किये जाते हैं। उन्होंने कहा, ''(बड़े) स्क्रीन पर फिल्में बहुत अलग होती हैं, जिसकी हमें आदत है। मैं उस तरह की फिल्मों की अभ्यस्त हूं... बड़े पर्दे की। इसलिए, ये ओटीटी और वेब सीरीज टाइम पास के लिए अच्छी हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि ये कितनी निराली है।'' उन्होंने कहा, यही कारण है कि जब 'गदर 2' और 'पठान' एवं अन्य बड़े पर्दे पर आयीं, तो वे सभी हिट रहीं। लोग बड़े पर्दे पर फिल्में देखना पसंद करते हैं, जो छोटे पर्दे से अलग है।''

भरतनाट्यम नृत्यांगना हेमा मालिनी हाल ही में मथुरा-वृंदावन के मंदिरों और इमारतों की तस्वीरों वाली एक कॉफी टेबल बुक चल मन वृंदावन के विमोचन के लिए राजधानी में थीं। वह पुस्तक की मुख्य संपादक भी हैं। उन्होंने कहा कि वह एक सांसद के रूप में मथुरा में अपने अनुभवों के कारण इस परियोजना से जुड़ीं। हेमा मालिनी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर 2014 और 2019 में लगातार दो बार मथुरा लोकसभा सीट से जीत दर्ज की। इससे पहले वह राज्यसभा सदस्य भी थीं।

रक्षाबंधन एक उत्सव है : सुष्मिता

नई दिल्ली/एजेन्सी

एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने 'आर्या' में निभाए गए अंकुर भाटिया के साथ अपने ऑन-स्क्रीन भाई-बहन के रिश्ते के बारे में कहा कि रक्षाबंधन एक उत्सव है, जहां आप 'इम्परफेक्ट' बॉन्ड साझा करते हैं, मुश्किल समय में एक-दूसरे की ताकत बनने का वादा करते हैं। एक-दूसरे का सपोर्ट करने से लेकर सबसे मूर्खतापूर्ण चीजों पर लड़ने तक, भाई-बहन का बंधन हर भावना का अनुभव करता है। रिश्ते का ऐसा ही एक जटिल पहलू हमने सीरीज 'आर्या' में देखा। हालांकि, आर्या (सुष्मिता) और संग्राम (अंकुर) के बीच भाई-बहन का अच्छा रिश्ता नहीं है, लेकिन एक-दूसरे के लिए प्यार और देखभाल अटूट है। इसके बारे में सुष्मिता ने कहा, भाई-बहन के रिश्तों को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। वे लड़ते हैं, वे सुलह करते हैं, वे फिर से लड़ते हैं, यह चलता रहता है जिसका हम सभी आनंद लेते हैं। आर्या और संग्राम के बीच का बंधन ऐसा नहीं है, लेकिन उनके रिश्ते के बारे में मुझे जो पसंद है, वह यह है कि उन्होंने अपने कड़वे रिश्ते को स्वीकार किया है ।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

मानव देह के निर्माण, पोषण और वृद्धि का मुख्य आधार आहार है। यद्यपि वायु और जल भी मनुष्य के लिए अत्यावश्यक आहार हैं, पर चूंकि ये प्रायः अनायास या अल्प आयास से ही प्राप्त होते रहते हैं, इसलिए हम अन्न या अन्य खाद्य पदार्थ को ही आहार की संज्ञा देते हैं, यदि विश्लेषण करके देखा जाय तो संसार में बहुसंख्यक व्यक्तियों के लिए तो भोजन या आहार ही जीवन का सर्वप्रधान उद्देश्य और कार्य है, वे इसी के लिये जीते और मरते हैं। आज सभ्य समाज में भी ऐसे लोगों की कमी नहीं जिनका ध्यान सदैव भोजन के प्रश्न पर ही केन्द्रित रहता है और जो सबेरे उठते ही यह हिसाब लगाया करते हैं कि आज किस समय क्या- क्या भोज्य सामग्रियाँ बनाई जायेंगी?

मन पर विजय प्राप्त करने वाला मनुष्य इस जगत को जीत सकता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मन पर विजय प्राप्त करने वाला मनुष्य जगत को जीत सकता है। मंगलवार को साहूकारपेट जैन भवन में गुरूद्वय जयंती कार्यक्रम के तीसरे दिन मंगलवार को साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिसने मन को जीत लिया तो उसे सब कुछ मिल जाएगा और हमारा मन काबू में नहीं हुआ तो हमारे जीवन में कभी भी सुख नहीं आने वाला है। मन वश में होने पर ही हमारे सारे दुखः खत्म हो सकते है। और हम जीवन में सुखों प्राप्त कर सकते है। लेकिन हमारे मन की गति सूर्य की किरणों से कई लाख गुणा तीव्र है। जो हमारे मन को स्थिर नहीं होने देती है। अगर हम अभ्यास करे तो हम इस मन को स्थिर करके शांत सकते है। बस जरूरत है हमें इस मन पर अंकुश और वश करने की, नहीं तो यह हमारा मन हमारे जीवन का पतन करने में ज्यादा देर नहीं लगाने वाला है। मन हमारा साफ है, तो हमें तन को साफ करने की हमे जरूरत नहीं है और ना ही तीर्थ यात्रा पर जाने की आवश्यकता है और मन हमारा मैला है तो हम चारों धाम की तीर्थ यात्रा कर लें फिर भी हमारे पाप नहीं धुलने वाले है।

खेमका के आगमन पर चेन्नई खेमका समाज द्वारा स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई में राजस्थान के बुहाना की श्री खेमका डेवलपमेंट ट्रस्ट व प्रसिद्ध सीपी प्लस सीसीटीवी कम्पनी के चेयरमैन हरिशंकर खेमका के आगमन पर चेन्नई खेमका समाज द्वारा स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। खेमका डेवलपमेंट ट्रस्ट चेन्नई के ट्रस्टी सावरमल खेमका ने बताया कि हरिशंकर खेमका को यहां खेमका डेवलपमेंट ट्रस्ट में हो रही समाज सेवा की गतिविधियों से परिचित करवाया गया।

अभिनंदन समारोह में मधुसूदन खेमका ट्रस्टी एवम् अध्यक्ष खेमका इंटरनेशनल स्कूल ने हरिशंकर को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर स्कूल की संयुक्त सचिव सुनीता खेमका एवम् चेन्नई में प्रवासित अनेक खेमका बंधुओं उपस्थित हुए। हरिशंकर खेमका ने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यो के लिए धन्यवाद दिया। सभी को ट्रस्ट की गतिविधियों से और अधिक जुड़ने का अनुरोध किया।

वर्षीतप के तपस्वियों का हुआ अभिनंदन, असम के राज्यपाल रहे मौजूद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आदिनाथ जैन ट्रस्ट, चूलै के तत्वावधान में आयोजित वर्षीतप के तपस्वियों का अभिनंदन जेएमए कन्वेंशन हॉल में आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी व विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस आयोजन व वर्षीतप के वार्षिक लाभार्थी हुलासमल प्रमोदकुमार चोरड़िया परिवार थे। लाभार्थी परिवार ने वर्षीतप के 250 तपस्वियों का चॉदी के सिक्के और कांसे धातु की गर्म पानी रखने की बोटल देकर सम्मान किया।

राज्यपाल ने तपस्वियों के तप की अनुमोदना करते हुए आचार्यो से आशीर्वाद प्राप्त किया कि जिस तरह पूरी ज़िन्दगी बेदाग रहकर देश की सेवा की उसी उस तरह अंत समय तक बेदाग रहकर पूरी ताक़त से देश की सेवा करूं। उन्होंने प्रमोद चोरडिया व ट्रस्ट की उदारभावना की अनुमोदना की। इस मौके पर विशेष उपस्थिति में शांतिलाल, रमेश मुथा, सुरेश लोढ़ा, किशोर ओटमल छाजेड, पारस जैन मौजूद थे। चेन्नई के लगभग 25 ट्रस्ट मंडल के पदाधिकारी व ट्रस्टियों ने मुख्य अतिथि का सम्मान किया। ट्रस्ट के महामंत्री ने ट्रस्ट के सभी कार्यो की विस्तार से जानकारी राज्यपाल को दी। आदिनाथ जैन मंडल द्वारा सम्पूर्ण कार्यक्रम संगीत एवं भक्तिमय बनाया गया। कार्यक्रम के अंत में मनोज जैन ने सभी को धन्यवाद दिया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में चारण समाज के बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति हाकमदान चारण का आगमन हुआ। इस मौके पर अखिल भारतीय चारण गढ़वी महासभा एवं तमिलनाडु चारण समाज चेन्नई की ओर से उनका शॉल ओढ़ाकर, माला पहनाकर एवं गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया गया। इस मौके पर महासभा के युवा अध्यक्ष हिंगलाजदान चारण, समाज के अध्यक्ष गोरुदान सान्दु, कोषाध्यक्ष रामसिंह नागसी, सचिव लक्ष्मणसिंह चारण, करणसिंह लाखावत, महिपालसिंह मेहड़ु, मदनदान सुरताणिया, सुरेन्द्रसिंह चारण आदि उपस्थित थे। गौरतलब है कि हाकमदान चारण स्कूल ऑप प्लानिंग एंड आर्किटेक्ट भोपाल के चेयरमैन और मानवीय मूल्य शिक्षा एसआईसीटीआई दिल्ली के चेयरमैन हैं।

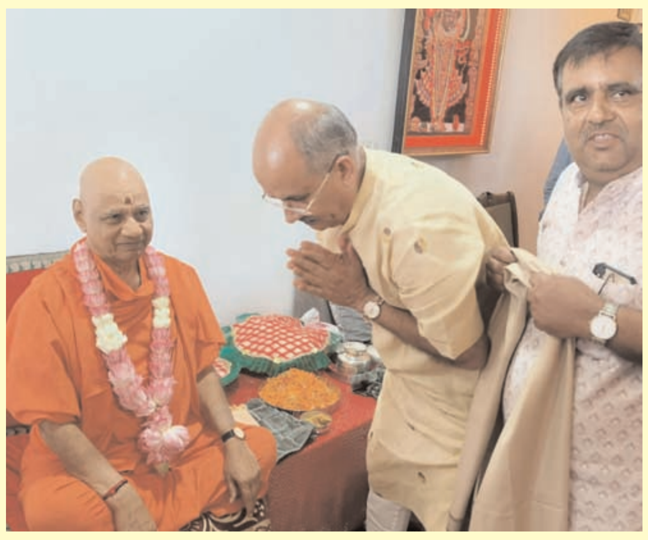

अयोध्या में श्रीराम का मंदिर बहुत ही अलौकिक और भव्य बन रहा है : महासचिव चम्पतराय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर का कामकाज संभाल रहे श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पतरायजी एवं कोषाध्यक्ष गोविन्ददेवगिरिजी महाराज का मंगलवार को बेंगलूरु में आगमन हुआ। दाधीच समाज के वरिष्ठ सदस्य जयकिशन शर्मा के निवास पर आए दोनों व्यक्तियों ने समाज के लोगों से मुलाकात की। सबसे पहले जेके शर्मा परिवार ने गोविन्ददेवगिरिजी की पूजा कर उनका सम्मान किया। मैसूरु रोड स्थित मेलोडी अपार्टमेन्ट में आए महासचिव चम्पतराय व कोषाध्यक्ष गोविन्ददेवगिरीजी का सालासर बालाजी सेवा समिति, दधिमति माता ट्रस्ट सहित अनेक सदस्याओं व प्रतिनिधियों ने सार्वजनिक सम्मान किया। निरंजन दाधीच ने संचालन करते हुए अतिथियों का परिचय दिया। गायक निरंजन सारड़ा ने गणेशवंदना की।

इस मौके पर आयोजित एक धर्मसभा को संबोधित करते हुए महासचिव चम्पतराय ने अयोध्या में बन रहे श्रीराम मंदिर के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि राममंदिर का मुद्दा वर्ष 1983 में विश्व हिन्दू परिषद (वीएचपी) ने संभाला जिसमें सबसे ज्यादा योगदान वीएचपी प्रमुख अशोक सिंघल का रहा। परिषद ने राममंदिर मुक्ति यज्ञ चलाकर पूरे देश में जनता को जागृत किया। रामजन्मभूमि के लिए मात्र एक छोटे से भूखंड के लिए विवाद चालू हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा ने विभिन्न मुद्दों को ध्यान में रखते हुए यह जमीन हिन्दू को मिलनी चाहिए, साथ ही 1528वीं ईसवी से पहले इस भूखंड के नीचे हिन्दू सभ्यता के साक्ष्य तलाशने की बात कहीं। चम्पतराय ने बताया कि बहुत मेहनत के बाद कनाड़ा के वैज्ञानिकों द्वारा रेडार अर्थात तरंग पद्धति से विवादित रामजन्मभूमि के नीचे देखा और पाया कि उसके नीचे राम लल्ला के अस्तित्व के साक्ष्य मौजूद हैं। उन साक्ष्यों को बाहर निकाला गया। साक्ष्य मिलने के बाद भी करीब 7 साल कोर्ट में विवादित राजजन्मभूमि की अपील अटकी रही। वर्ष 2019 में कोर्ट ने लगातार 40 दिनों तक लगभग 170 घंटे की सुनवाई व साक्ष्यों की जानकारी लेते हुए नवम्बर 2019 में रामजन्मभूमि के पक्ष में फैसला दे दिया, जहां आज विशाल राम मंदिर निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है।

उन्होंने निर्माणाधीन राममंदिर के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन हुआ और राम मंदिर बनना प्रारंभ हुआ। राम मंदिर 380 फीट लम्बा, 250 फीट चौड़ा व 161 फीट ऊंचा तीन मंजिला होगा। मंदिर निर्माण के लिए नींव के लिए भूमि खोदी गई तो उसमें बालू मिली जो कि लम्बे समय तक किसी इमारत या भवन के लिए उपयुक्त नहीं थीं, इसलिए विचार विमर्श कर मंदिर के आकार से तीन गुना जमीन खोदकर इंजिनियरों व विशेषज्ञों ने खोदी गई जमीन में कंक्रीट की विशालकाय कृत्रिम शिला का निर्माण किया जिस पर राममंदिर का निर्माण संभव हो सका। मंदिर के निर्माण के लिए भूतल से 21 फीट ऊंची पीलिन्थ बनाई गई है। उसके ऊपर दक्षिण प्रांतों से लाया जा रहा ग्रेनाइट लगाया गया है। मंदिर में राजस्थान के भरतपुर स्थित बंशी गांव का गुलाबी पत्थर उपयोग में लाया जा रहा है। मंदिर तीन मंजिल होगा जो कि 400 खम्बों पर खड़ा होगा। महासचिव ने बताया कि मंदिर का गर्भगृह व चबूतरा मकराना के सफेद संगमरमर से बनाया जाएगा जिसपर सालों साल कोई दाग नहीं आएगा। मंदिर की सारी चौखटे संगमरमर से बनाई जा रही है परन्तु दरवाजे बल्लारशाह चन्द्रपुर के जंगलों से लाई उच्च कोटि की सागौन् लकड़ी से बनाए जा रहे है। दरवाजों की डिजाइन हैदराबाद में की जा रही है। मंदिर में नक्काशी का कार्य पिंडवाड़ा ग्राम के कारीगर तथा मूर्ति गढने का कार्य उड़ीसा के कारीगर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर के निर्माण में भारत के विभिन्न राज्यों के कारीगरों का सहयोग लिया जा रहा है।

चम्पतराय ने बताया कि मंदिर का परकोटा 800 वर्गफीट आयाताकार क्षेत्रफल का होगा। परकोटे करीबन 14 फीट चौड़े होंगे तथा परकोटे के चारों तरफ 4 मंदिर के अलावा दो अन्य मंदिर भी परकोटे में होंगे जिसमें भगवान विष्णु, सूर्य भगवान, शिव भगवान, माता भगवती, गणपतिजी व हनुमान जी के मंदिर होंगे। भोजनशाला में मां अन्नपूर्णा का मंदिर बनाया जा रहा है। मंदिर में प्रवेश पूर्व दिशा से होगा तथा निकासी दक्षिण द्वार से होगी। मंदिर के बाहर निकलने पर ऋषि वाल्मिकी, वशिष्ठ, विश्वमित्र व आगस्त ऋषि के साथ साथ निषादराज, सबरी, माता अहिल्या व जटायु का भी मंदिर बनाया जा रहा है। अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 25 हजार लोगों के सामान रखने के लिए एक भवन ट्रस्ट की ओर से बनाया जाएगा। मंदिर में जूतों व मोबाइल का प्रवेश वर्जित होगा। मलमूत्र विसर्जन के लिए 300 शौचालय का काम्पलेक्स, 2 सिवरेज प्लांट, 2 वाटर ट्रीटमेन्ट प्लांट, बिजली आपूर्ति के लिए पृथक पॉवर सब-स्टेशन बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे श्रद्धा के केन्द्रबिन्दु मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का मंदिर बहुत ही अलौकिक व भव्य बन रहा है जिसमें पूरे देश का सहयोग मिल रहा है।

महासचिव चम्पतराय ने बताया कि मंदिर में रामलल्ला की पांच वर्ष की आयु के अनुरुप उनकी खड़ी प्रतिमा लगाई जाएगी। रामलल्ला की प्रतिमा बनाने का कार्य भी 3 विशेष कारीगर तीन प्रतिमाओं पर कर रहे हैं जिस कारीगर की प्रतिमा के भाव सर्वोत्तम होंगे, उस प्रतिमा को मंदिर में स्थापित किया जाएगा। रामलल्ला की प्रतिमा चरण से लेकर ललाट तक कुल 51 इंच की होगी। चरण कमल के फूल पर होंगे। महासचिव ने बताया कि भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर मध्याह्न 12 बजे उनके जन्म के समय सूर्य की किरण प्रभु राम के ललाट को प्रकाशमान करे ऐसी व्यवस्था की जा रही है तथा इसके लिए शोध चल रहा है। उन्होंने बताया कि मंदिर के पूर्ण निर्माण के लिए अभी भी दो वर्ष लगेंगे परन्तु ग्राउंड फ्लोर जहां प्रभु रामलल्ला विराजमान होना है उसका कार्य लगभग 75 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम के अनुसार आगामी वर्ष में 14 जनवरी मकर संक्रांति से लेकर 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के बीच राम मंदिर में श्री रामलल्ला विराजमान हो जाएंगे। चम्पतराय ने उपस्थित सभी रामभक्तों को मंदिर प्रतिष्ठा से पहले भी अयोध्या आने का निवेदन किया।

इस मौके पर कोषाध्यक्ष गोविन्ददेवगिरिजी ने कहा कि राम मंदिर के निर्माण से वास्तव में देश में जागृति आई है। राम मंदिर निर्माण का कार्य कोई छोटा कार्य नहीं है और इस कार्य को पूर्ण करने के पीछे हनुमानजी की चेतना ही कार्य कर रही है इसलिए उपस्थित सभी जनों से निवेदन है कि राम मंदिर निर्माण तक प्रतिदिन एक हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें तथा परिवार के अन्य लोगों व मित्रों को भी इस कार्य के लिए प्रोत्साहित करें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विभिन्न समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम में जय श्रीराम-जयश्रीराम के नारे गूंजते रहे।

ईर्ष्या दूसरों को नहीं खुद को जलाती है : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ईर्ष्या एक ऐसा शब्द है जो मानव के खुद के जीवन को तो तहस-नहस करता है औरों के जीवन में भी खलबली मचाता है। यदि आप किसी को सुख या खुशी नहीं दे सकते तो कम से कम दूसरों के सुख और खुशी देखकर जलिए मत। उपरोक्त बातें आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने सुमतिवल्लभ जैन संघ में प्रवचन देते हुए कही। वे आगे बोले कि यदि आपको खुश नहीं होना है न सही मत होइए खुश, किन्तु किसी की खुशियों को देखकर अपने आपको ईर्ष्या की आग में ना जलाएं। अक्सर समाज में देखा जाता है कि कोई आगे बढ़ रहा है, किसी की उन्नति हो रही है, नाम हो रहा है किसी का अच्छा हो रहा है तो अधिकांश लोग ऐसे देखने को मिलेंगे जो पहले यह सोचेंगे, कैसे आगे बढ़ते लोगों की राह का रोड़ा बना जाए। उनको कैसे नीचा दिखाया जाए। कैसे समाज में उनकी मजाक बने और कैसे उनकी खुशियां छीनी जाए। बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो किसी को आगे बढ़ता देख किसी की उन्नति होते देख आनंद का अनुभव करते हैं या खुश होते हैं। यदि आप किसी की खुशियों से खुश होकर उसे और आगे बढ़ने का प्रोत्साहन देंगे तो इससे दो फायदे होंगे एक तो समाज में आपकी छबी अच्छी बनेगी और आपको एक अंदरूनी खुशी का एहसास होगा और एक सकारात्मक ऊर्जा का विकास अपने आप आपके अन्दर होगा। इसे इंसानी कमजोरी कह लीजिए या कुछ और पर सच यह है कि बहुत सारे दुखों का कारण हमारा अपना दुःख ना होकर दूसरे की खुशी होती है। आप इससे ऊपर उठने की कोशिश कीजिए। आपको सिर्फ अपने आप को आगे बढ़ाते रहना है और व्यर्थ की तुलना के पचड़े में नहीं पड़ना है। तुलना नहीं करनी है। मगर अफ़सोस की बात है आज के समाज की कि लोग किसी के दुःख को देखकर तो बहुत दुखी होते हैं सहानुभूति जताते हैं लेकिन किसी की खुशी को देखकर खुश नहीं होते। किसी की उन्नति से किसी के गुणों से जलते हैं और दुखी होते हैं और पुरा प्रयास करते हैं कि सामने वाले का बुरा हो। हम सभी को इससे बचना चाहिए।

दंडी स्वामी देवानंद से आशीर्वाद लेने पहुंचे दिग्गज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां बगसिंह राजपुरोहित से प्राप्त समाचार के अनुसार साहुकारपेट क्षेत्र के समुद्र मुदली स्ट्रीट स्थित खेतेश्वर भवन में सोमवार को राजस्थान के जालोर भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली ने खेतेश्वर महाराज के दर्शन किए एवं मंदिर में श्री राजपुरोहित ट्रस्ट चेन्नई तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में बिराजित गुरुदेव दंडी स्वामी देवानंदजी सरस्वती महाराज से आशीर्वाद लिया।

चातुर्मास के उपलक्ष में चल रही श्री शिवमहापुराण कथा का श्रवण किया इस अवसर श्री राजपुरोहित ट्रस्ट द्वारा जिलाध्यक्ष श्रवणसिंह राव बोरली का ट्रस्ट के उप चैयरमेन हंसराज नानीवाल कैलाशनगर ने राजस्थानी परम्परागत आन बान और शान साफे एवं ट्रस्टी भीमराज तोगोणी सांथु ने माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया एवं उन्होंने कथा का रसपान किया। साथ ही चेन्नई महानगर् निगम के साहुकारपेट क्षेत्र वार्ड संख्या -54 के पार्षद एवं द्रमुक प्रवासी नेता राजेश कुमार जैन का ट्रस्ट के चैयरमेन शान्तिलाल धिंगडा मणादर ने साफे एवं कोषाध्यक्ष भंवरसिंह बासडाधनजी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.